राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 21 अक्टूबर 2024 वर्ष–7,अंक–269 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

पहला कॉलम

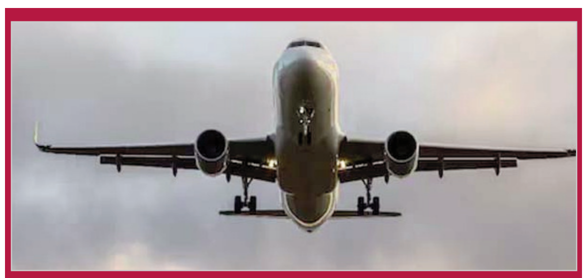

बम की धमकियां- 20 से ज्यादा फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग

-एक हफ्ते में 90 धमकियां और सभी झूठी

नई दिल्ली। देश में यात्री विमानों को मिल रहीं बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार के बाद रविवार को भी 20 से अधिक फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसमें इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की कुल छह-छह विमान शामिल हैं। यहां बताते चलें कि पिछले एक हफ्ते में 90 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है, हालांकि ये सभी धमकियां झूठी साबित हुईं। इससे पहले 19 अक्टूबर शनिवार को 30 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिससे सैकड़ों यात्री घंटों तक परेशान होते रहे। इन धमकियों के कारण एयरलाइंस को अब तक 200 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

गृह मंत्रालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए एयरलाइंस की स्थिति पर सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही केंद्र ने सीआइएसएफ, एनआईए, और आईबी को भी जांच के आदेश दे दिए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जब्त किया करोड़ों का सोना व नशीला पदार्थ

मुंबई। मुंबई के सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1.45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ (मारिजुआना) जब्त किया। यह अवैध पदार्थ बैंकॉक के एक यात्री के पास से जब्त किया गया था। यात्री ने वैक्यूम-सीलबंद पैकेट में 1.45 किलोग्राम गांजा छुपाया था। चेक-इन लगेज में कपड़ों में नशीला पदार्थ लपेटा हुआ था। आरोपियों के खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

- दो करोड़ रुपये का सोना जब्त

मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सात मामलों में 2 किलो 427 ग्राम सोना जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 70 लाख रुपये है। इसके अलावा 42 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया गया है। इसमें मोबाइल और टैबलेट शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि केन्या, जेद्दा, दुबई, रसूल खैमाह से मुंबई आने वाली उड़ानों के जरिए सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद अधिकारियों ने इन विमानों के बाहर जाल बिछा दिया था। इन उड़ानों से आने वाले कुछ यात्रियों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान इस सोने की तस्करी का खुलासा हुआ।

श्रीलंका ने गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

नई दिल्ली। श्रीलंका ने मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। भारतीय उच्चायोग ने एक पोस्ट में कहा कि 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया गया है और वे तमिलनाडु, भारत के लिए रवाना हो गए हैं। मछुआरों का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है। श्रीलंका नौसेना की आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस साल देश की नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीयों की संख्या बढ़कर 413 हो गई है जबकि 55 नौकाएं जब्त की गई हैं।

ज्ञानवापी मामले में सर्वेक्षण कराने की याचिका पर बहस पूरी, 25 अक्टूबर को आ सकता है फैसला

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की खुदाई कर सर्वेक्षण कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर हिन्दू और मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस पूरी हो गई। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता ने संभावना जताई कि अदालत 25 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई पर अपना आदेश सुना सकती है। जानकारी के मुताबिक, हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर की खुदाई कर भारत पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने की मांग वाली याचिका पर शनिवार को दीवानी न्यायाधीश युगल किशोर शम्भू की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई में मुस्लिम पक्ष और वक्फ बोर्ड के अधिवक्ताओं ने अपनी बहस पूरी। हिन्दू पक्ष पहले ही अपनी दलीलें दे चुका है। मदन मोहन ने बताया कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत में उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए मामले का शीघ्र निपटान करने की बात कही। हिंदू पक्ष ने 10 अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष 'अंजुमन इंतजामिया कमेटी द्वारा पूरे परिसर के सर्वेक्षण का अनुरोध करने वाली याचिका पर 8 अक्टूबर को दी गई दलीलों के जवाब में अदालत के समक्ष अपनी दलीलें पेश की थीं। उन्होंने बताया कि कमेटी के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष दलील रखी कि जब हिन्दू पक्ष ने मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में किए जाने की अपील की हुई है तब इस मामले पर यहां बहस करने का कोई औचित्य नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी को दी 6,100 करोड़ की सौगात, कहा- पिछले 10 वर्षों में काशी में हुए बड़े बदलाव

वाराणसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 6,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया. इनमें 90 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन भी शामिल है. पीएम ने वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा, 'इस पावन महीने में काशी आना एक पुण्य अनुभूति का अवसर होता है. यहां अपने काशीवासी तो हैं ही, संतजनों और परोपकारियों का भी संग है. इससे सुखद संयोग और क्या हो सकता है. अभी मुझे परम पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन का, प्रसाद पाने का और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है. पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा, 'आरजे शंकर नेत्र अस्पताल वाराणसी और इस क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा. ये अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी रोशनी देगा. यहां बहुत बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है. ये अस्पताल, यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है.' उन्होंने कहा, 'काशी की पहचान अनंतकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में रही है. अब काशी, यूपी के पूर्वांचल के बड़े आरोग्य केंद्र और हेल्थकेयर हब के रूप में भी विख्यात हो रहा है. काशी को प्राचीन काल से ही धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में जाना जाता रहा है. अब काशी यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र का एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्र और चिकित्सा केंद्र भी बन रहा है. बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर हो, दीन दयाल

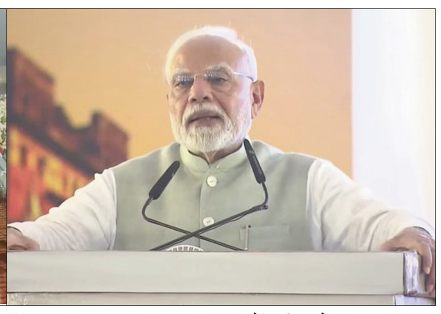

उपाध्याय अस्पताल हो या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो, पिछले 10 वर्षों में काशी में स्वास्थ्य सेवा में बड़े सुधार हुए हैं.' पीएम ने अस्पताल के उद्घाटन से पहले कांची मठ के शंकराचार्य से भी मुलाकात की. उन्होंने एक प्रदर्शनी का दौरा किया. इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे. बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 2,870 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन और अन्य कार्यों की आधारशिला भी रखने जा रहे हैं.

अयोध्या में दीपोत्सव पर निकलेंगी झांकियां

-राम मंदिर का मॉडल और राम दरबार की झांकियां होंगी सबसे खास

अयोध्या।

इस बार अयोध्या में दीपोत्सव खास होगा। रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं, जिसकी झलक दीपोत्सव में इस बार देखने को मिलेगी। इस बार दीपोत्सव में झांकियां होंगी जिसे दर्जनों मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं। रामायण के सातों कांडों पर झांकियां तैयार की जा रही हैं। इसके साथ ही राम मंदिर मॉडल और राम दरबार की झांकियां सबसे खास होंगी। युद्ध स्तर पर झांकियां बनाने का काम किया जा रहा है, जो 27 अक्टूबर को रिहर्सल के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगी।

दीपोत्सव हर साल एक नया इतिहास रचता है। इस बार दीपोत्सव में सबसे खास अयोध्या के सड़कों पर निकलने वाली झांकियां होंगी। भगवान राम के जीवन पर आधारित यह झांकियां साकेत महाविद्यालय से निकलकर और लता मंगेशकर चौक तक जाएंगी, जहां सीएम योगी झांकियों का स्वागत करेंगे। 18 झांकियां निकलेंगी जिसमें आठ झांकियां पर्यटन विभाग तो 10 झांकियां सूचना विभाग की हैं। इन झांकियों को 30 से ज्यादा मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं, जो पिछले तीन सालों से लगातार दीपोत्सव की झांकियां बनाते आ रहे हैं जिनकी कारीगरी देखते ही बनती है लोग इनकी कारीगरी को निखारने के साथ उनकी तारीफ करना भी नहीं भूलते। दीपोत्सव को चार चांद लगाने के लिए यह झांकियां सुबह 9 बजे साकेत महाविद्यालय से निकलकर राम कथा पार्क तक जाएंगी, जो कि करीब 2 बजे समाप्त होगी। दीपोत्सव में कई प्रकार की

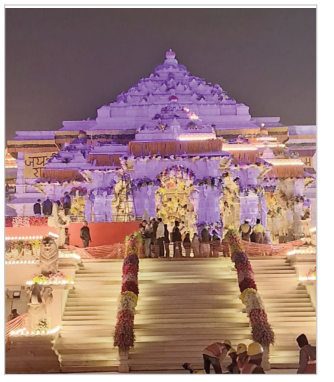

झांकियों का आयोजन किया जाएगा जिसे अयोध्या के लोग देखेंगे।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में लगे भूकंप के झटके, नुकसान की सूचना नहीं

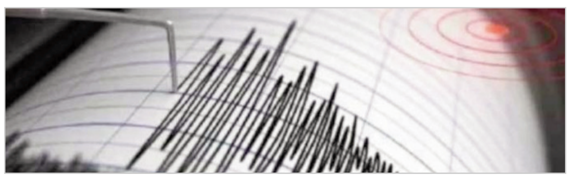

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में रविवार को भूकंप के झटके लगे। यह 29 घंटों में दूसरी बार महसूस किए गए, जब लोगों ने धरती हिलते हुए महसूस किया। रविवार सुबह करीब 11 बजकर 21 मिनट पर 3.7 की तीव्रता के भूकंप ने डोडा को हिला दिया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र धरती की 5 किलोमीटर की गहराई में स्थिति था और इसका स्थान अक्षांश 33.00 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.94 डिग्री पूर्व पर था।

भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले शनिवार को भी डोडा जिले में 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप का केंद्र डोडा जिले के गुंडोह क्षेत्र में था और यह झटका शाम करीब सवा 6 बजे महसूस किया गया था। डोडा जिले में लगातार भूकंप के झटके सामने आने के बाद लोग चिंतित हैं, लेकिन अब तक किसी प्रकार के भारी नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले 13 अक्टूबर को भी डोडा में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। साथ 13 अक्टूबर को असम के गुवाहाटी जिले में भी 4.6 की तीव्रता वाला भूकंप आया था। 12 अक्टूबर को हिमाचल में भी भूकंप के झटके लगे थे।

बीजेपी दिल्ली की जनहित योजनाएं बंद करने सत्ता में आना चाहती है : केजरीवाल

नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी दिल्ली में लोगों के काम करने के लिए नहीं, बल्कि आप सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी योजनाओं को रोकने के लिए सत्ता में आना चाहती है। केजरीवाल पीतमपुरा में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में बोल रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो वह बिजली, पानी, महिलाओं के लिए बस यात्रा, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सहित सभी मुफ्त योजनाएं बंद कर देगी।

केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को अंदरूनी कलह के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इससे फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस बात की परवाह मत कीजिए कि चुनाव में कौन है, क्योंकि केजरीवाल सभी 70 सीट पर लड़ रहा होगा। मैं आपका काम करवाऊंगा, चाहे विधायक कोई भी चुना जाए। दिल्ली प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार करते हुए कहा कि दिल्लीवासियों ने अराजकता में लिप्त आप की भ्रष्ट सरकार को खारिज करने का मन बना लिया है। उन्होंने केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आप ने हाल ही में हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में 90 सीटों पर ऐसे चुनाव लड़ा जैसे पूर्व मुख्यमंत्री सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हों और वह सभी सीटों पर हार गई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावः

भाजपा ने 99 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की, फडणवीस और बावनकुले प्रमुख उम्मीदवार

मुंबई।

आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को 99 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। इस सूची में 6 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 4 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित सीटों के नाम भी शामिल हैं। इसके साथ ही, 13 महिलाओं को भी टिकट दिया गया है, जबकि 11 नए चेहरे पहली बार भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा की रविवार को आई 99 प्रत्याशियों की सूची में मुख्य उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे। इनके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी सीट से चुनाव मैदान में होंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण भोकर से चुनाव लड़ेंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन सीट से टिकट दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को कोलाबा से टिकट मिला है, जबकि नितेश राणे कंकावली से चुनाव लड़ेंगे।

यहां बताते चलें कि नार्वेकर हाल ही में शिवसेना और एनसीपी विधायकों की सदस्यता समाप्त नहीं करने को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। वहीं, नितेश राणे मुस्लिम विरोधी बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, और इसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इसी दिन नांदेड़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी होगा, जिसके प्रत्याशी की घोषणा अभी नहीं की गई है।

दिल के इलाज का खर्च 5 साल में 53फीसदी बढ़ा

बीमा क्लेम भी हुआ दोगुना

मुंबई।

भारत में दिल की बीमारियों के इलाज का खर्च पिछले पांच वर्षों में 53फीसदी तक बढ़ चुका है, जिससे इलाज के लिए मरीजों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण आधुनिक चिकित्सा तकनीकों का उपयोग, अस्पतालों की बढ़ती फीस और उपचार की जटिलता है। इसके साथ ही, दिल के इलाज से जुड़े बीमा क्लेम की संख्या भी दोगुनी हो गई है, जिससे यह साफ होता है कि लोग इलाज के लिए बीमा पर निर्भर हो रहे हैं।

देश में दिल की बीमारियों के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है। उच्च कोलेस्ट्रॉल, अनियमित जीवनशैली, शारीरिक असक्रियता और तनाव जैसे कारण दिल से संबंधित बीमारियों का मुख्य कारण बन रहे हैं। इससे इलाज की मांग बढ़ी है, जिससे अस्पतालों की सेवाओं और उपकरणों की लागत में इजाफा हुआ है। मरीजों को इलाज की प्रक्रिया में एंजियोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, हार्ट ट्रांसप्लांट जैसी जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिनकी लागत भी ज्यादा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल के इलाज में सबसे बड़ी वृद्धि एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी की लागत में हुई है। इन प्रक्रियाओं की कीमत में 5 साल में 50फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ है। इसके अलावा, अस्पतालों में वॉर्ड और आईसीयू के खर्च में भी वृद्धि देखी गई है, जो इलाज की कुल लागत को प्रभावित करता है।

बीमा कंपनियों द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह भी पता चला है कि दिल के इलाज से संबंधित बीमा क्लेम दोगुने हो गए हैं। यह दर्शाता है कि लोग अपनी चिकित्सा खर्चों को कवर करने के लिए बीमा का सहारा ले रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा कंपनियों को इस बढ़ती मांग के अनुरूप अपनी सेवाओं को सुधारने और अधिक योजनाएं लाने की आवश्यकता है। बीमा कंपनियों के अनुसार, दिल के इलाज से जुड़े क्लेम के बढ़ने से बीमा क्षेत्र पर दबाव बढ़ गया है। हालांकि, यह भी साफ है कि बीमा की बढ़ती मांग से लोगों को इलाज में आर्थिक राहत मिल रही है।

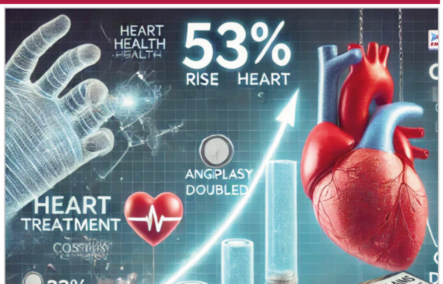

बीमा विशेषज्ञों का कहना है कि दिल के इलाज की बढ़ती लागत और बीमा क्लेम के बढ़ने से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में सुधार और विस्तार की जरूरत महसूस हो रही है, ताकि अधिक लोगों को इस सुविधाजनक इलाज का लाभ मिल सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियां की गंभीरता

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं।

(लेखक- ललित गर्ग)

असंतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवश्यक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है।

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं।

विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली- मोहल्ले में, शहर -शहर में, गांव- गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे।

भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बर्बादी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं।

बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। 'मिशन मौसम' के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। 'मिशन मौसम' की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने 'मिशन मौसम' के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन卐मौसम प्रबंधन卐 तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह 'ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर' ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है। हालात चिंताजनक इसलिए हुए हैं क्योंकि सभी संसाधनों के क्षरण की गति बेतहाशा बढ़ गई है। समस्या न केवल वैश्विक है बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए वैश्विक स्तर के प्रयासों से ही जल-चक्र के असंतुलन से उत्पन्न परिस्थितियों के समाधान की राह तलाशनी होगी।

नीति आयोग के एक ताजा सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से भारत में हर साल 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस प्रकार पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 महानगरों का जल पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और वहां पानी अन्य शहरों से लाकर उपलब्ध कराना होगा। जल से जुड़ी चुनौतियां एवं जलचक्र के असंतुलित होने की स्थितियों को स्वीकार कर हम भारतीयों को संकल्पित होना होगा इन चुनौतियों एवं समस्याओं से जूझने के लिये।

संपादकीय

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा।

अब अपनी बंद नहीं, खुली आंखों से देखेगी इंसाफ की देवी

(लेखक- निखिल भट्ट)

देश के मुख्य न्याय मूर्ति श्री डी वाई चंद्रचूड़ ने न्याय के क्षेत्र में एक अनोखी पहल की जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा की आंखों से पट्टी हटा कर उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब थमा दी गई है जबकि पहले इस प्रतिमा के एक हाथ में तराजू तो दूसरे हाथ में तलवार थी और आंखों में पट्टी बंधी हुई थी ये यह अनोखा परिवर्तन बहुत लंबे वक्त के बाद किया गया है जो अपने आप में कानून की देवी की एक अलग व्याख्या करता है ।

कानून अंधा होता है इसका तात्पर्य यह था कि उसकी निगाह में अमीर, गरीब, बलवान, कमजोर, पीड़ित और अत्याचारी सब एक जैसे हैं क्योंकि जब वह अपनी आंखों में पट्टी बांधे हुए थी तो उसके सामने यह सच नहीं आता था कि उसके सामने न्याय की मांग करने वाला कौन है इसलिए वो इनमें भेदभाव ना करते हुए न्याय प्रदान करती थी

कानून अंधा होता है ये ना केवल एक कहावत बन गई थी बल्कि इस पर फिल्में भी बनी है इसके साथ-साथ इस न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू थी जो इस बात को प्रतिबिंबित करती थी कि उसके तराजू में कोई पासंग नहीं है वह वह दोनों पक्षों को बराबरी से सुनती है और फिर अपनी तराजू पर उसको तौल कर पर न्याय का प्रदर्शन करती है दूसरे हाथ में तलवार शक्ति का भी प्रदर्शन करती थी। तलवार वीरों का हथियार आदिकाल से हिंदू संस्कृति का एक अंग रहा है इस तलवार का अर्थ यह भी था कि न्यायालय जो भी निर्णय देता है उसका सम्मान संबंधित लोगों को करना चाहिए और ऐसा नहीं होता है तो वह तलवार की धार जैसा नुकीला निर्णय भी दे सकता है ।

अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही इस परिपाटी को बदलने का ना तो किसी ने सोचा था और ना ही इस पर किसी ने कोई पहल की थी लेकिन अपने कठोर निर्णयों के लिए मशहूर देश के मुख्य न्यायाधीश मूर्ति श्री डी वाई चंद्रचूड़ ने जो पहल की है उसने न्याय, और न्याय करने वालों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है

इस नई पहल के तहत इंसाफ की देवी की आंखों से पट्टी इसलिए हटा दी गई है कि वह अपनी खुली आंखों से सब कुछ देख सके, किसी अंधे की तरह टटोलकर किसी चीज का निर्णय न कर सके, अपनी जीवंत आंखों के माध्यम से हर मुकदमे को देखे समझे और फिर उस पर अपना निर्णय दें। आंखों पर से पट्टी हटाने के पीछे शायद यह कारण भी उनके दिलों दिमाग में रहा होगा कि कानून अगर अंधा माना जाएगा तो उसके निर्णय पर भी उंगली उठाई जा सकती है। इंसाफ की देवी के हाथ से तलवार हटाकर उनके हाथ में संविधान देना इस बात को भी रेखांकित करेगा कि कानून संविधान से बंधा हुआ है जो संविधान भारत के लिए लिखा गया है उसी के तहत कानून अपना काम करेगा। किसी भी देश का संविधान उस देश की आत्मा होता है भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संविधान हर नागरिक, को हर संस्था को अलग-अलग अधिकार देता है जो एक सफल लोकतांत्रिक देश के लिए आवश्यक होता है। तलवार की बजाय न्याय की देवी के हाथ में संविधान देना इसी लोकतांत्रिक परिपाटी का एक सबसे सफल और सुखद अध्याय माना जाएगा ।

पिछले दिनों बहुत से ऐसे कानूनों में परिवर्तन किया गया जो अंग्रेजों के जमाने के थे उन्हें एक नई परिभाषा दी गई, धाराओं में बदलाव किया गया जो कहीं ना कहीं कानून को सरल और आम आदमी के लिए बेहतर न्याय के लिए उठाया गया कदम था अब देश के मुख्य न्यायमूर्ति ने न्याय की देवी को एक अलग प्रतिमूर्ति के रूप में दर्शाने की कोशिश की है वह निसंदेह भारत की कानून व्यवस्था, उसके प्रति सोच लोगों को मिलने वाले न्याय के प्रति एक सुखद दृष्टिकोण साबित होगा ।

(चिंतन-मनन)

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्रबाहु को पराजित होना पड़ा।

रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा।

पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन?स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

विचार मंथन

भारी भरकम फीस जमा करने के बाद भी समय पर न्याय नहीं

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रखे जाने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को सौंपी है। वर्तमान न्यायपालिका एक तरह से सरकार के नियंत्रण में काम करती हुई नजर आ रही है। जिसके कारण दिनों दिन न्यायपालिका की साख आम जनता की नजरों में गिरती चली जा रही है। सामान्य नागरिक कानून की पेचीदगियों को नहीं जानता है। कानून का इस्तेमाल वर्तमान में गरीब और मध्यम वर्ग का शोषण करने के लिए हो रहा है। आम आदमी कानून के मकडजाल में फंसकर छटपटा रहे हैं। शासन प्रशासन और दबंग लोगों द्वारा जिस तरह से आम जनता को प्रताड़ित किया जा रहा है। खुलेआम उनके साथ लूट की जा रही है। उसके बाद न्यायालय से भी उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। पिछले दो दशकों में जिस तरह से नए-नए कानून बनाये जा रहे हैं। उसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। न्यायालयों में मुकदमे बढ़ते ही जा रहे है। न्यायपालिका भी नियम और कानूनो के संदर्भ में जिस तरह से संवधानिक व्याख्या करनी होती है। उसकी अनदेखी कर सरकार के बनाये कानून को सही मान लेती है। कई वर्षों तक याचिकाओं की सुनवाई नहीं होती है। पिछले एक दशक में आम जनता, न्यायपालिका की प्राथमिकता से दूर होती चली जा रही है। न्यायपालिका द्वारा स्वयं संज्ञान लेना भी बंद कर दिया है। न्यायपालिका यह मानकर सुनवाई और निर्णय करती है। सरकार जो कुछ कर रही है, वह ठीक ही कर रही है। आम जनता ने सरकार को बहुमत दिया है। सरकार जो कानून बनना चाहती है, उसके लिए सरकार सक्षम है। यहां पर न्यायपालिका इस बात को भूल जाती है। संविधान ने आम नागरिकों के जो मौलिक अधिकार संरक्षित रखने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को दी है। विभिन्न कानून और विभिन्न नियमों के तहत रोजाना मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हैं। इसके बाद भी न्यायपालिका चुप बैठी हुई है। भारत में न्याय पाना बड़ा महंगा और कठिन हो गया है। न्याय पाने के लिए भारी भरकम फीस जमा करनी पड़ती है। मुकदमा लड़ने के लिए वकीलों को फीस देने के लिए बहुत बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। उसके बाद भी भारतीय नागरिकों को न्यायालयों से समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। हां तारीख पर तारीख जरूर मिलती है। हाल ही में भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद कई मामलों में न्यायालय फीस बेतहाशा बढ़ा दी गई है। नए कानून में इतनी जटिलताएं हैं। भारी फीस भरने के बाद भी कई महीनो तक मुकदमा शुरू नहीं हो पता है। अपराधिक मामले में जब तक आरोपी को न्यायालय की सूचना तामील नहीं होती है। तब तक मुकदमा न्यायालय में दर्ज भी नहीं होता है। चेक बाउंस मामले में तो हालात और भी खराब हो गई है। पहले ही चेक के माध्यम से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जाता है। जब उसे मामले को कोर्ट में ले जाया जाता है, तब भारी भरकम न्यायालय फीस जमा करनी पड़ती है। कई महीनो तक नोटिस तामील नहीं होते हैं। न्यायालय में मामला पंजीकृत नहीं होता है। फरियादी न्यायालय के चक्कर लगाता रह जाता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार जिस तरह से आए दिन नए-नए कानून और नियम बना रहे हैं। एक एक्ट दूसरे एक्ट के नियमों को ओवरलैप करते हैं। जिसके कारण न्यायालय में मामले कानूनी विवाद से उलझ जाते हैं। न्यायालय के लिए भी उन विवादों पर फैसला करना आमतौर पर संभव नहीं होता है। वादी जिस विवाद को लेकर न्यायालय में जाता है। जो कानून हैं, वह एक दूसरे के विपरीत होने के कारण दोनों ही पक्ष उसका फायदा उठाने के लिए मामले को उलझाते चले जाते हैं। कई कई साल ट्रायल कोर्ट में ही मामले लटके रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट आए दिन न्याय व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हैं। अब यह दाबे भी राजनेताओं के वादों की तरह दिखने लगे हैं। 70 फ़ीसदी से ज्यादा मामले सरकार के विरुद्ध होते है। ट्रायलकोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट सरकार को मामले की सुनवाई के दौरान समय पर समय देते चले जाते हैं। कई महीने और कई बरस बीत जाते हैं। सरकार का जवाब नहीं आता है। सरकार जो कहती है। उसे न्यायालय आंख बंद करके मान लेते हैं।वादी अथवा याचिकाकर्ता की न्यायालय में बात ही नहीं सुनी जा रही है। बिना सुने मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से खारिज कर दिए जा रहे हैं। भारी भरकम न्यायालयीन फीस जमा कराई जा रही है। अब तो न्यायालय याचिकाएं निरस्त करने के साथ जुर्माना भी वसूल करने लगी हैं। जिसके कारण न्यायालय को लेकर आम जनता के मन में डर और भय देखने को मिल रहा है। पिछले 10 वर्षों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने न्यायालय में सुनवाई के दौरान जो कहा, वह फैसले में कभी देखने को नहीं मिला। जो फैसला आए,वह आधे अधूरे थे। सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसले दिये। सरकार ने कानून बनाकर बदल दिया। सरकार और प्रशासन हाईकोर्ट के आदेशों को गंभीरता से नहीं लेता है। वर्षों बाद भी आदेश में अमल नहीं होता है। हजारों अवमानना याचिकायें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। महाराष्ट्र में जिस तरीके से उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई गई थी।

स्वास्थ्य बीमा से जीएसटी हटाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में जीएसटी छूट दे सकती है। राज्य मंत्रिस्तरीय पैनल के अधिकांश सदस्यों ने आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए करों में कटौती का समर्थन किया है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर पर निर्णय लेने के लिए मंत्री समूह की हाल ही में बैठक हुई। जिसमें जीवन बीमा तथा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम को कर मुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए पांच लाख रुपये तक के कवरेज वाले स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। फिलहाल पांच लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। इस समय टर्म पॉलिसी और फैमिली फ्लोटर पॉलिसी के लिए भुगतान किए गए जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लग रही है। बैठक में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि जीओएम के सदस्य बीमा प्रीमियम पर दरों में कटौती के लिए व्यापक रूप से सहमत हैं। अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। जीएसटी परिषद ने पिछले महीने अपनी बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। सम्राट चौधरी मंत्री समूह के संयोजक हैं। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्री शामिल हैं।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का होगा मर्जर

मुंबई । मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लिया है। इसके बाद कंपनी डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का मर्जर हो जाएगा। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जियोसिनेमा का मर्जर होने के बाद यह भारत के सबसे बड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म बन सकता है, क्योंकि दोनों ओटोटी ऐप के पास बड़ा यूजरबेस मौजूद है। इस मर्जर के बाद जियो के पास जियो के पास कुल 100 चैनल हो सकते हैं। रिलायंस जियो दो अलग-अलग ओटीपी ऐप्स नहीं चलाना चाहती हैं क्योंकि अलग-अलग ओटीटी ऐप के लिए अलग रिचार्ज पैक की जरूरत होती है। दोनों दोनों ऐप का अलग से प्रमोशन करना होगा। इससे ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। स्टार इंडिया और वियाकॉम 18 का मर्जर हो गया है। इसके बाद डिज्नी हॉटस्टार सिंगल स्ट्रीमिंग ऐप रह जाएगा। एक रिपोर्ट की मानें, तो जियो को डिज्नी हॉटस्टार की टेक्नोलॉजी ज्यादा पसंद है। यही वजह है कि जियो अपने पॉपुलर ओटीटी ऐप्स जियोसिनेमा को डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जोड़ना चाहती है। डिज्नी हॉटस्टार के करीब 50 करोड़ ज्यादा यूजर्स हैं, जबकि जियो सिनेमा के पास 10 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। इन दोनों कंपनियों के मर्जर के साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार देश की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट कंपनी बन जाएगी। यह डील करीब 8.5 अरब डॉलर में हुई है। जियो सिनेमा के मंथली औसत यूजर 22.5 करोड़ हैं। वही डिज्नी हॉटस्टार के मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 33.3 करोड़ है।

मेटा के बाद अब नोकिया ने की 2000 कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई।

मेटा के बाद अब नोकिया ने भी ग्रेटर चीन क्षेत्र में लगभग 2000 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यह संख्या कंपनी के कुल वर्कफोर्स का करीब पांचवां हिस्सा है और इसका उद्देश्य लागत में कटौती करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नोकिया यूरोप में भी 350 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। नोकिया के बीजिंग और शंघाई के साथ-साथ हांगकांग और ताइवान में कई ऑफिस हैं, जो कंपनी के ग्रेटर चीन क्षेत्र का हिस्सा हैं और जहां से यह चाइना मोबाइल जैसे क्लाइंट्स को सेवाएं देती है। नोकिया ने पहले ही घोषणा की थी कि वह 2026 तक 80 करोड़ यूरो से लेकर 1.2 अरब यूरो के बीच बचत करने के लिए 14,000 नौकरियों में कटौती करेगी। यह छंटनी उसी योजना का हिस्सा है। नोकिया के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि यूरोप में 350 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर कंसल्टेशन शुरू हो गया है लेकिन ग्रेटर चीन में हुई छंटनी पर कोई टिप्पणी नहीं की। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2023 तक नोकिया के पास ग्रेटर चीन में 10,400 और यूरोप में 37,400 कर्मचारी थे। जब नोकिया ने

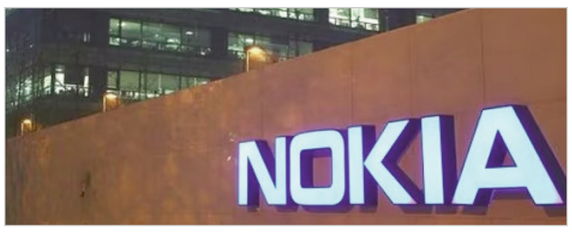

पिछले साल नौकरी में कटौती की घोषणा की थी, तो उसके कुल कर्मचारी 86,000 के आसपास थे। कंपनी का लक्ष्य 2026 तक इस संख्या को घटाकर 72,000 से 77,000 के बीच करना है। वर्तमान में नोकिया के पास लगभग 78,500 कर्मचारी हैं। नोकिया के लिए कभी चीन दूसरा सबसे बड़ा बाजार हुआ करता था लेकिन 2019 से पश्चिमी देशों द्वारा हुवावे पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद, नोकिया और एरिक्सन के लिए चीनी टेलिकॉम ऑपरेटर्स की ओर से कॉन्ट्रैक्ट्स में कमी आ गई। 2019 में नोकिया की शुद्ध बिक्री का 27 फीसदी हिस्सा ग्रेटर चीन से आया था लेकिन हाल की तिमाही में यह योगदान 6 फीसदी से भी कम रह गया है।

चेक कंपनी का अधिग्रहण कर सकता है जिंदल समूह

नई दिल्ली । अपनी वैश्विक उपस्थिति मजबूत करने घरेलू जिंदल समूह चेक कंपनी विटकोवाइस की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि समूह अपनी इकाई जिंदल स्टील इंटरनेशनल के जरिये इस वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिग्रहण पूरा कर सकता है। यह यूरोप में जिंदल समूह का पहला अधिग्रहण होगा। नवीन जिंदल के स्वामित्व वाले कारोबारी घराने की पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और ओमान जैसे देशों में इस्पात, बिजली और खनन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। उद्योग सूत्रों ने कहा` कि दोनों पक्षों का प्रबंधन इस सौदे के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। सौदे के हिस्से के रूप में जिंदल समूह विटकोवाइस स्टील में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा। सूत्रों के अनुसार सौदे का आकार लगभग 15 करोड़ यूरो यानी लगभग 1,000 करोड़ रुपये हो सकता है। विटकोवाइस स्टील के अधिग्रहण से जिंदल समूह को यूरोपीय बाजार में पैठ जमाने में मदद मिलेगी। समूह ओमान में अपनी इकाई वल्कन ग्रीन स्टील (वीजीएस) के माध्यम से हाइड्रोजन आधारित स्टील विनिर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है।

करवा चौथ पर 22,000 करोड़ की बिक्री होने का अनुमानः सीएआईटी

नई दिल्ली । भारत में इस बार करवा चौथ 20 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) ने कहा कि करवा चौथ के मौके पर दिल्ली एवं देश के बाजारों में लगभग 22 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक होगा। पिछले वर्ष यह आंकड़ा लगभग 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का था। पिछले 2 दिनों से कुछ समय से देश के बाजारों में इस पर्व की खरीदारी को लेकर जोश बना हुआ है। कपड़ों, ज्वैलरी से लेकर श्रृंगार-कॉस्मैटिक का सामान, गिफ्ट आइटम्स, पूजा के आइटम्स की जमकर शॉपिंग की जा रही है। इसके लिए दिल्ली समेत देश भर के बाजारों में खूब भीड़ दिखाई दे रही है। इस त्यौहारों के लिए लोग काफी खरीदारी कर रहे हैं। इस साल बाजारों में पिछले साल के मुकाबले रौनक भी ज्यादा दिखाई दे रही है। अगस्त में जन्माष्टमी के त्यौहार पर 25,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ। व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन के अनुसार विकासशील अर्थव्यवस्था में ज्यादा बिक्री कारोबार मजबूत उपभोक्ता खर्च को दर्शाता है, जो त्यौहारों के दौरान बढ़ जाता है। सीएआईटी को इस वर्ष त्यौहारी सीजन की बढ़ी हुई अवधि के कारण 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री की उम्मीद है। देश में त्यौहारी सीजन 19 अगस्त को रक्षा बंधन के साथ शुरू हुआ और तुलसी विवाह के दिन 15 नवंबर तक चलेगा।

कंपनियों के नतीजों, वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ने की आशंका है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है तथा बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी तक भारतीय बाजार के प्रदर्शन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं। उनका रुख वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू राजनीतिक घटनाक्रम पर निर्भर करेगा। एचडीएफसी बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17,825.91 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक का लाभ सितंबर तिमाही में बढ़कर 16,820.97 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 15,976.11 करोड़ रुपये था। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि किसी भी प्रमुख संकेतक के अभाव में बाजार भागीदारों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सबसे पहले वे एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक जैसे बड़े बैंकों के परिणामों पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) और अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी कंपनियां भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान बजाज हाउसिंग फाइनेंस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, वन97 कम्युनिकेशंस, जोमैटो, बजाज फिनसर्व और बैंक ऑफ बड़ौदा के भी तिमाही नतीजे आएंगे। कोटक महिंद्रा बैंक का सितंबर तिमाही का मुनाफा 13 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर

तिमाही में बैंक का मुनाफा 5,044 करोड़ रुपये रहा है। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 3,344 करोड़ रुपये रहा है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता, चीनी अर्थव्यवस्था में सुस्ती और घरेलू बाजारों से लगातार एफआईआई की निकासी के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। पिछले सप्ताह विदेशी कोषों की भारी निकासी से घरेलू बाजार में गिरावट आई। विश्लेषकों का कहना है कि एफआईआई की बिकवाली और डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशकों) की खरीद का रुझान निकट भविष्य में बरकरार रहने की संभावना है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की वजह भारत में ऊंचा मूल्यांकन और चीन के शेयरों का सस्ता मूल्यांकन है।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खरीफ तिलहन फसलों की आवक बढ़ने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल-तिलहन कारोबार के समीक्षकों की यह आशंका निर्मूल साबित हुई है कि आयात शुल्क बढ़ाने के बाद खाद्य तेलों की महंगाई बढ़ जायेगी। इसके` विपरीत आयात शुल्क बढ़ाये जाने के बाद मूंगफली जैसे महंगे खाद्य तेल के थोक दाम भी गुजरात और राजस्थान में टूटे हैं। गुजरात में शुल्क वृद्धि से पहले मूंगफली तेल का थोक भाव 148 रुपये लीटर बैठता था जो शुल्क वृद्धि के बाद घटकर 135 रुपये लीटर रह गया है। इसी प्रकार राजस्थान में जिस मूंगफली तेल का थोक दाम पहले 130 रुपये लीटर था वह अब घटकर 118 रुपये लीटर रह गया है। आवक बढ़ने और महंगा होने के कारण लिवाली कमजोर होने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट रही।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 6,400-6,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 875 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,115-2,215 रुपये और 2,115-2,230 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,650-4,695 रुपये और 4,350-4,585 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 250 रुपये, 150 रुपये और 100 रुपये घटकर क्रमशः 13,100 रुपये, 12,650 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने के बीच महंगे मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले हानि का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की हानि के साथ 6,300-6,575 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की गिरावट के साथ 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये की हानि के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

यूको बैंक का मुनाफा 50 फीसदी बढ़कर 603 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में 50 प्रतिशत बढ़कर 603 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 402 करोड़ रुपये था। ब्याज आय में बढ़ोतरी के कारण यह मुनाफा देखने को मिला है। यूको बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि उसकी कुल आमदनी 7,071 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,866 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 6,078 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5,219 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय में भी 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जो बढ़कर 2,301 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 1,917 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही, बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन भी सुधारकर 3.10 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो बीते वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.84 प्रतिशत था।

दीपम ने अधिकारियों से कहा, सार्वजनिक कंपनियों के शेयरों में कारोबार करने से बचें

- अधिकारियों के पास हो सकती है सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के बारे में संवेदनशील जानकारी

नई दिल्ली । निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने अपने अधिकारियों से कहा है` कि वह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में कारोबार से बचें। दीपम ने यह सलाह इसलिए दी है क्योंकि उसके अधिकारियों के पास सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के बारे में बाजार की दृष्टि से संवेदनशील जानकारी हो सकती है। एक आंतरिक आदेश में दीपम ने कहा कि विभाग में शामिल होने वाले किसी भी अधिकारी को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में अपनी हिस्सेदारी घोषित करनी होगी और ऐसे शेयरों को संबंधित अधिकारी द्वारा विभाग से मंजूरी के बाद ही बेचा जा सकता है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाला दीपम सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सरकारी हिस्सेदारी का प्रबंधन करता है। इसके अलावा वह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री, रणनीतिक विनिवेश और निजीकरण के लिए भी जिम्मेदार है। एक अधिकारी ने बताया` कि दीपम ने एक आंतरिक आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि विभाग के अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयर नहीं खरीदेंगे या इन्हें साझा नहीं करेंगे। इसके पीछे विचार यह है कि दीपम के अधिकारियों के पास कुछ ऐसी जानकारी हो सकती है, जो कंपनियों के शेयर की कीमतों को प्रभावित कर सकती है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे उस जानकारी से लाभ उठा सकें। अधिकारी ने कहा कि दीपम केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) शेयरों के मूल्य को अधिकतम करने की दिशा में काम कर रहा है। यह पूरी तरह स्पष्ट है कि मूल्य-संवेदनशील जानकारी का किसी भी तरह से दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 और 2022-23 में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के क्रमशः 16,507 करोड़ रुपये और 35,294 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

एचडीबी फाइनेंशियल को आईपीओ लाने के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

आईपीओ बाजार के लिए साल 2024 खासा शानदार साबित हुआ है और एक के बाद एक कई बड़ी कंपनियों ने अपने इश्यू पेश किए हैं। हाल ही में ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया ने एलआईसी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च किया था, जो 27,000 करोड़ रुपये से ज्यादा आकार का था। अब देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर के बैंक एचडीएफसी की सब्सिडियरी कंपनी एचडीबी फायनें शियल से र्विसेज अपना इश्यू पेश करने के लिए तैयार है और इसकी जानकारी बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। आईपीओ निवेशकों को जल्द ही निवेश के लिए एक और बड़ा मौका मिलने वाला है।

दरअसल एचडीएफसी बैंक की सब्सिडियरी फर्म के आईपीओ का रास्ता साफ हो गया है। एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एचडीबी फाइनेंशियल को आईपीओ लाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में शेयर की गई जानकारी के मुतो बिक एचडीबी आईपीओ का फुल साइज 12,500 करोड़ रुपये हो सकता है। इसमें 10000 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जाएगी, जबकि कंपनी 2500 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी करेगी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी की स्टेकहोल्डिंग एचडीएफसी बैंक के पास में है। शेयर बिक्री के बाद भी ये एचडीएफसी बैंक की सहायक कंपनी बनी रहेगी। हालांकि आईपीओ का आकार और शेयरों की बिक्री अभी मार्केट स्थिति, रेग्युलेटरी अप्रूवल समेत अन्य चीजों पर निर्भर करेगी। इस प्रस्तावित आईपीओ का प्राइस बैंड और अन्य विवरण भी इसी पर निर्भर करेगा। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि इस 12500 करोड़ रुपये के अनुमानित आईपीओ को कंपनी इस साल के अंत तक पेश कर सकती है।

खुदरा विक्रेताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की गई

चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं सीएनजी के भाव

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक कटौती की है। सूत्रों से` मिली जानकारी के मुतो बिक ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के भाव चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ सकते हैं। भारत में अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है। घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है।सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं क्योंकि वे इसके समाधान के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं।

पूरी दुनिया में इंटरनेट कवरेज देता है एलन मस्क का स्टार लिंक सैटेलाइट

नई दिल्ली ।

सरकार ने सैटेलाइट इंटरनेट स्पेक्ट्रम आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसें में स्टारलिंक सर्विस का जिक्र दोबारा से शुरू हो गया है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट पूरी दुनिया में बेहद पॉपुलर है। यह पूरी दुनिया में इंटरनेट कवरेज देता है। इसके लिए स्टारलिंक को जमीन के भीरत कोई तार नहीं बिछाने होते हैं। न ही स्टारलिंक की ओर से कोई मोबाइल टावर लगाए जाते हैं। यह एक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस है, जिसकी मदद से देश के दूर-दराज के इलाकों तक बिना तार, केबल और मोबाइल टावर के हाई स्पीड इंटरनेट और कॉलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्पेस एक्स कंपनी के तहत काम करती हैं, जिसके ओनर एलन मस्क है। वहीं एलन मस्क जिन्होंने हाल ही में सोशल नेटवर्किंग साइट टिवटर को खरीदा था। स्टारलिंक एक ग्लोबल ब्रॉडबैंड नेटवर्क है, जो लोअर-अर्थ आर्बिट बेस्ड सैटेलाइट सिस्टम पर काम करता है। यह हाई स्पीड इंटरनेट सर्विस पर काम करती है। एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स की स्थापना साल 2002 में हुई थी। स्टारलिंक सर्विस को खराब मौसम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह खराब मौसम जैसै बारिश, कोहरे और गर्मी में आराम से काम करती है। जब बादल होते हैं, उस वक्त भी स्टारलिंक सर्विस बिना किसी दिक्कत के काम करती है। स्टारलिंक मौजूदा वक्त में 36 देशों में मौजूद है। इसमें अमेरिका का नाम प्रमुखता से आता है। कंपनी 2025 तक ज्यादा से ज्यादा देशों तक पहुंचना चाहती है। भारत में सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन शुरू हो चुका है। कंपनी जल्द ही भारत में सैटेलाइट सर्विस ऑफर कर सकती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत /न्यूजीलैंड : आखिरी दिन नहीं हुआ कोई चमत्कार, न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद टेस्ट जीता

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने जसप्रीत बुमराह के खतरनाक स्पैल का डटकर सामना करते हुए आखिरी दिन किसी चमत्कार की भारत की कोशिशों पर पानी फेर दिया। पहला टेस्ट आठ विकेट से जीतकर न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारतीय सरजमीं पर पारंपरिक प्रारूप में सफलता का स्वाद चखा। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने भारत को 1988 में जॉन राइट की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम पर 136 रन से हराया था। जीत के लिये 107 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने शुरूआती झटकों के बाद कोई कोताही नहीं बरती। विल यंग 48 रन बनाकर और रचिन रविंद्र 39 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 75 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को तीन मैचों की श्रृंखला में 1.0 से बढत दिला दी।

पहली पारी में 46 रन पर आउट होने के बावजूद भारत ने जिस तरह मैच में वापसी की थी, वह काबिले तारीफ है। उसे अब पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में इस हार को भुलाकर अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। गले की जकड़न से उबरने के बाद शुभमन गिल की दूसरे टेस्ट में वापसी तय लग रही है लेकिन पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 150 रन बनाने वाले सरफराज खान को अब अनदेखा नहीं किया जा सकता।

भारत को यह भी देखना होगा कि तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरना है या तीन स्पिनर ही उतारने है। यह फैसला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर कारगर साबित नहीं हुआ। आखिरी दिन गीली आउटफील्ड के कारण मैच एक घंटा विलंब से 10 बजकर 15 मिनट पर शुरू हुआ। नयी गेंद संभालते हुए बुमराह ने 29 रन देकर दो विकेट लिये। टॉम लाथम खाता खोले बिना पहले ही ओवर में आउट हो गए। अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दिया जिस पर उन्होंने रिव्यू लिया। डीआरएस में भी उनके आउट होने की पुष्टि हो गई।

भारत को तीसरे तेज गेंदबाज की कमी महसूस हुई होगी क्योंकि विकेट से बुमराह और मोहम्मद सिराज को मदद मिल रही थी। भारत ने तीसरे स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को उतारा था जिन्होंने तीन ओवर में 26 रन दिये। डेवोन कोंवे भी बुमराह के सामने असहज लग रहे थे और 17 रन बनाकर पगबाधा आउट हो गए। न्यूजीलैंड का स्कोर उस समय दो विकेट पर 35 रन था लेकिन यंग और रविंद्र ने इसके बाद संभलकर खेला। आसमान खिलने के बाद बल्लेबाजी में दिक्कत नहीं हुई और दोनों ने ढीली गेंदों को नसीहत दी। पहली पारी में शतक जमाने वाले रविंद्र ने कुलदीप को छक्का भी लगाया।

हम वापसी करना जानते हैं : रोहित शर्मा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को विश्वास है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट से हारने के बावजूद उनकी टीम वापसी करेगी, जैसे इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चार मैच जीतकर की थी। भारतीय टीम पहली पारी में घरेलू टेस्ट में अपने न्यूनतम स्कोर 46 रन पर आउट हो गई थी, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कुछ हद तक वापसी की। हालांकि, न्यूजीलैंड ने अंततः उन्हें 8 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में रोहित ने कहा, ऐसे मैच होते रहते हैं। हमें इसे पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा। हमने इंग्लैंड के खिलाफ भी एक मैच हारने के बाद लगातार चार मैच जीते थे, इसलिए हमें पता है कि हर खिलाड़ी को क्या करना है। उन्होंने स्वीकार किया कि हालात को समझने में उनसे गलती हुई, लेकिन यह भी कहा कि उन्होंने यह कल्पना नहीं की थी कि भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 46 रन पर आउट हो जाएगी।

रोहित ने कहा, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें शुरुआत में मुश्किलें हो सकती हैं, लेकिन हमने यह नहीं सोचा था कि टीम 46 रन पर सिमट जाएगी। न्यूजीलैंड ने बेहतरीन गेंदबाजी की और हम विफल रहे। उन्होंने दूसरी पारी में भारतीय टीम की वापसी की सराहना की और कहा, जब आप 350 रन से पीछे हों तो ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन कुछ अच्छी साझेदारियां बनीं। हम सस्ते में आउट हो सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरफराज और ऋषभ ने शानदार बल्लेबाजी की। सरफराज ने बहुत ही परिपक्व पारी खेली। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलने वाले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी रचिन रविंद्र ने पहली पारी में शतक जमाया। उन्होंने कहा कि चेन्नई में लाल और काली मिट्टी पर खेलने का अनुभव उन्हें रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा का डटकर सामना करने में मददगार साबित हुआ। रविंद्र ने कहा, चेन्नई में अलग-अलग पिचों पर, लाल और काली मिट्टी पर हमने अभ्यास किया, जिससे काफी फायदा हुआ। रविंद्र के दादा-दादी अभी भी बेंगलुरु में रहते हैं, और परिवार के सामने खेलते हुए शतक बनाना उनके लिए भावुक क्षण था। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा शहर है और बल्लेबाजी के लिए अच्छी विकेट थी। परिवार के सामने खेलना बेहद खास था, जिससे मेरी पारी और भी खास हो गई।

रचिन की नेटवर्थ 2 मिलियन डॉलर के आस पास

– रचिन रवींद्र ने की शानदार बैटिंग, लगाया शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए शानदार बैटिंग करते हुए खिलाडी रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाया। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। रचिन रवींद्र ने 157 गेंदों में 134 रन की पारी खेली और अंत तक खडे रहे। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के मारे। रचिन का कनेक्शन भारत से रहा है। उनके माता पिता भारत से ही थे। बाद में वह न्यूजीलैंड में जाकर बस गए। रचिन ने 5 साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। वह क्लब क्रिकेट खेलने के लिए बैंगलोर भी आया करते थे। वर्ल्डस कप के उद्घाटन मैच में ही उन्होंने इंग्लैंदड के खिलाफ शतक जड़ दिया था। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि भारतीय टीम के दिग्गएज प्लेयर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के शुरुआती नाम को जोड़कर रचिन का नाम रखा गया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। रचिन नाम रचिन की मां ने सुझाया था

इस बात का खुलासा उनके पिता ने किया था। न्यूजीलैंड के युवा बैटर रचिन रवींद्र जिन्होंने वर्ल्ड कप 2023 के बाद से क्रिकेट में अपनी गहरी पहचान बनाई है। रचिन रवींद्र ने 2023 में ही डेब्यू किया और ईश सोढ़ी के चोटिल होने पर वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए पहले ऑप्शन बने थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 10 मैच में 578 रन ठोके, जिसमें दो फिफ्टी और 3 शतक शामिल थे। वह शतक बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर थे। रचिन के नेटवर्थ की बात करें तो उनकी कमाई कई रिपोर्ट के अनुसार 2 मिलियन डॉलर (भारतीय रुपयों में करीब 16 करोड़) के आस पास है।

शतक जड़कर श्रेयस अय्यर ने दिखाई दम, टीम में वापसी की जताई इच्छा

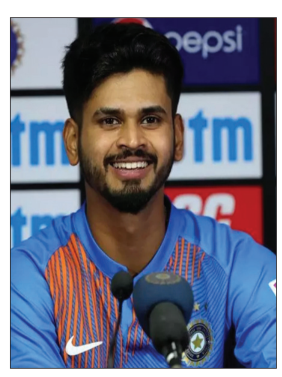

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी के मैच में शानदार शतक बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की अपनी प्रबल इच्छा जताई है। महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में अय्यर ने शानदार शतक जड़ा, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल था। पीठ की सर्जरी के बाद श्रेयस ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है और टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से जगह बनाने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस अय्यर को पिछले कुछ समय पहले बार-बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके चलते वह कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जड़ा था, और अब लगभग तीन साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक बनाया है। अय्यर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, बहुत लंबे समय बाद वापसी करना मेरे लिए खास है। चोटों के कारण मैं थोड़ा निराश महसूस कर रहा था, लेकिन अब शतक बनाना बेहद संतोषजनक है। अय्यर ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं वापसी के लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं, लेकिन मुझे केवल उन्हीं चीजों पर ध्यान देना है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मेरा काम है निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना और जितना हो सके उतना क्रिकेट खेलना। इसके साथ ही शरीर की फिटनेस बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। अय्यर का मानना है कि केवल निरंतर अच्छा प्रदर्शन ही उन्हें फिर से भारतीय टेस्ट टीम में जगह दिला सकता है।

श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आखिरी बार भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। चोटों के कारण वह अधिक खेल नहीं पाए, और इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की केंद्रीय अनुबंध सूची से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने अगस्त 2024 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा लिया था।

श्रेयस अय्यर ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यह उनके लिए प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए बेताब हूं। यही कारण है कि मैं खेल रहा हूं। अगर ऐसा नहीं होता तो मैं आराम से बैठ सकता था। अय्यर की यह वापसी भारतीय क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक संकेत है, और उनके प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह जल्द ही राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह फिर से पक्की करेंगे।

जोकोविच ने नडाल को, सिनेर ने अल्काराज को हराया

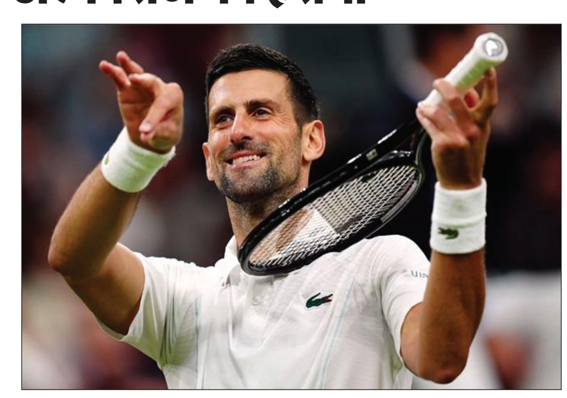

रियाद। इटली के यानिक सिनेर ने कार्लोस अल्काराज को 6.7, 6.3, 6.3 से हराकर सिक्स किंग्स स्लैम नुमाइशी टेनिस चैम्पियनशिप जीती जबकि नोवाक जोकोविच ने तीसरे स्थान के मैच में रफेल नडाल को 6.2, 7.6 से हराया। नडाल अपने कैरियर में आखिरी बार यह चैम्पियनशिप खेल रहे थे। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल अगले महीने डेविस कप में स्पेन के लिए खेलने के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे। इस नुमाइशी टूर्नामेंट के पिछले दौर में अल्काराज ने नडाल और सिनेर के अलावा जोकोविच को भी हराया था। इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि मिलती है लेकिन एटीपी अंक नहीं।

वह दिन नदीम का था, पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा

लखनऊ। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूकने वाले भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी लेकिन वह दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था जो उन्हें पछाड़कर चैम्पियन बने। चोपड़ा ने आठ अगस्त को हुए फाइनल में 89.45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता लेकिन नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए पहले ही प्रयास में 92.97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बने। चोपड़ा ने यहां पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा, '' कुछ भी गलत नहीं था, सब कुछ सही था। थ्रो भी अच्छा था। ओलंपिक में रजत प्राप्त करना भी कोई छोटी चीज़ नहीं है, लेकिन, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता बहुत अच्छी थी और स्वर्ण पदक उसी ने जीता है जिसका वह दिन था। वह नदीम का दिन था।फ यहां फीनिक्स पलासियो मॉल में अंडर आर्मर के नए प्रारूप वाले ब्रांड हाउस स्टोर का उद्घाटन करने आये चोपड़ा ने इस धारणा को खारिज किया कि हॉकी और क्रिकेट के बाद भाला फेंक भारत–पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता का गवाह बनने वाला नया खेल बन गया है।

सुल्तान जोहोर कप : भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराया जोहोर

बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। दिलराज सिंह और शारदा नंद तिवारी के 2-2 गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराकर सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। मोहम्मद कोनैन दाद (7वें मिनट) ने भारत का खाता खोला। इसके बाद दिलराज (17वें, 50वें मिनट), शारदा नंद (20वें, 50वें मिनट) ने गोल किए। इसके अलावा मनमीत सिंह (26वें मिनट) ने भी भारत की तरफ से गोल किया। ब्रिटेन की तरफ से रोरी पेनरोज (दूसरे, 15वें मिनट) और माइकल रॉयडेन (46वें, 59वें मिनट) ने 2-2 गोल करके मैच को रोमांचक बनाए रखा।

भारत ने शनिवार को जापान को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने अपनी वही लय बनाए रखी। लेकिन वह ब्रिटेन था जिसने पहला गोल किया। उसकी तरफ से खेल के दूसरे मिनट में ही पेनरोज ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। भारत ने हालांकि इसके कुछ देर बाद ही दाद के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बराबरी कर ली। ब्रिटेन ने 15वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल कर ली जब पेनरोज ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

भारत ने हालांकि दूसरे क्वार्टर में अपना दबदबा बनाया और लगातार तीन गोल किए। स्ट्राइकर दिलराज ने 17वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर किया। शारदा नंद ने इसके बाद दिलराज की मदद से पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। उन्होंने 26वें मिनट में मनप्रीत की भी गोल करने में मदद की जिससे भारत 4-2 से आगे हो गया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम को पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह उनका नहीं उठा पाए।

ब्रिटेन ने चौथे क्वार्टर के शुरू में रॉयडेन के गोल की मदद से वापसी की कोशिश की। भारत को 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। फॉर्म में चल रहे ड्रैगफ्लिकर शारदा नंद ने मौका नहीं गंवाया और गोल कर दिया। इसके कुछ सेकेंड बाद दिलराज ने मैदानी गोल करके स्कोर 6-3 से भारत के पक्ष में कर दिया। रॉयडेन ने 59वें मिनट में अपना दूसरा और ब्रिटेन की तरफ से चौथा गोल किया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। भारत ने लगातार दूसरा मैच जीत पर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

लुका मोड्रिक रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए

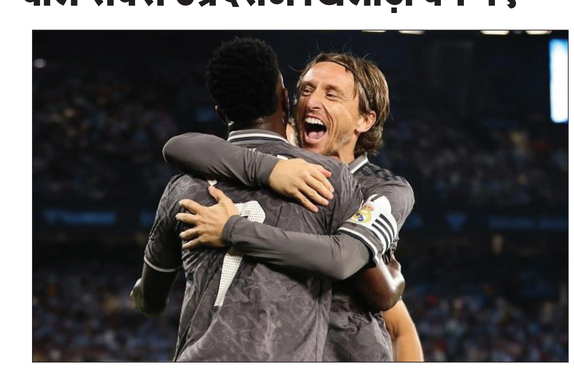

पोंटेवेद्रा (स्पेन)। कप्तान लुका मोड्रिक विगो में रियल मैड्रिड के इतिहास में एक आधिकारिक मैच में प्रतिस्पर्धा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। क्रोएशियाई खिलाड़ी 39 साल और 40 दिन की उम्र में बैलाडोस में सेल्टा के खिलाफ मैच में उतरे और फेरेंक पुस्कस के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 39 साल और 40 दिन की उम्र में बैलाडोस में मैदान पर उतरने वाले कप्तान ने पुस्कस के 1966 से बने रिकॉर्ड को 4 दिनों से हरा दिया। हंगेरियन ने हमारे क्लब के लिए अपना आखिरी आधिकारिक मैच 1966 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में खेला था। इसके अलावा, लुका ने रियल मैड्रिड के खिलाड़ी के रूप में अपनी 250वीं लालिगा जीत भी दर्ज की। मिडफील्डर, जिसने प्रतियोगिता में अपना 369वां गेम खेला, क्लब में अपने 13वें सीज़न में इस मील के पत्थर तक पहुंचा। 2 सितंबर 2012 को लालिगा में पदार्पण करने के बाद से, मॉड्रिक ने टीम को 4 मौकों (2017, 2020, 2022 और 2024) में चैंपियनशिप जीतने में मदद करने के लिए 28 गोल किए हैं। जिस टीम के खिलाफ उन्होंने लीग में सबसे अधिक जीत हासिल की है वह सेल्टा है, जिसे उन्होंने 19 मौकों पर हराया है। मॉड्रिच रियल मैड्रिड के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 547 खेलों में 27 खिताब जीते हैं- 6 यूरोपीय कप, 5 क्लब विश्व कप, 5 यूरोपीय सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप और 5 स्पेनिश सुपर कप।

ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफीका दौरे के लिए इस खिलाड़ी पर दांव खेल सकता हैं पीसीबी

मुंबई। पीसीबी द्वारा ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीरीज के लिए टीम की घोषणा करने पर अनुभवी विकेटकीपर–बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान सफेद गेंद के प्रारूप में पाकिस्तान टीम के कप्तान बन सकते हैं। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने पिछले दो दिनों में पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ बैठक की है, और टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन से भी सलाह ली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्र ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट 28 अक्टूबर को समाप्त होगा और टीम को अगले दिन ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। इसलिए चयनकर्ता रविवार तक टीम की घोषणा करनी होगी। सूत्र ने कहा, रिजवान अपनी वरिष्ठता, एक खिलाड़ी के रूप में अपनी विश्वसनीयता और घरेलू क्रिकेट और पीएसएल में टीमों का नेतृत्व करने के अपने अनुभव के कारण कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।बाबर आजम ने माह की शुरुआत में पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ कर कहा था कि वे अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहते हैं। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में नौ वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। स्वदेश लौटने से पहले उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं। सूत्र ने कहा कि चूंकि बोर्ड ने अब चयनकर्ताओं को कप्तान चुनने का अधिकार दे दिया है। आकिब, अजहर अली और अलीम डार ने जाहिर तौर पर रिजवान से बातचीत की है और उनसे यह जिम्मेदारी संभालने की इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कहा कि चयनकर्ता बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों के लिए आराम दिए जाने के बाद सफेद गेंद की टीम में शामिल कर सकते हैं।

फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जेवियर

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय उभरते तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पूरी तरह से फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान बार्टलेट को साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी, जब वह इंग्लैंड की धरती पर अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे। उन्होंने मात्र के 3.4 ओवर ही गेंदबाजी किया था। चोट के कारण वह टी20 सीरीज के बाकी मैच और उसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए। बार्टलेट के लिए यह निराशाजनक क्षण था, जिन्होंने फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में लगातार 4 विकेट चटकाए थे। चोट और उसके ठीक होने के बारे में बताते हुए बार्टलेट ने कहा, मुझे उस साइड स्ट्रेन से उबरने में लगभग 5 सप्ताह हो गए हैं। मैं अब पूरी तरह से तैयार हूं, इसलिए यह वास्तव में आकार लेने लगा है। मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया है... यह वास्तव में निराशाजनक था। पाकिस्तान के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में जगह बनाने से चूकने के बावजूद बार्टलेट को इसके बाद होने वाली टी20 श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है। सिडनी, होबार्ट और ब्रिस्बेन में होने वाले मैचों के साथ बार्टलेट की नजरें 14 नवंबर को गाबा में होने वाले पहले टी20 पर टिकी हैं। एक ऐसा स्थान जहां उन्होंने ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलते हुए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है। बार्टलेट ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसका आप बचपन में सपना देखते हैं, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू मैदान पर खेलने की कोशिश करना। इसलिए अगर ऐसा अवसर आता है, तो यह एक बहुत अच्छा पल होगा। बार्टलेट ने गाबा में शानदार प्रदर्शन किया है, हीट के लिए सिर्फ 13 मैचों में 20 विकेट लिए हैं, औसतन हर 13 गेंदों पर एक विकेट। ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा जिससे उन्हें अपनी रिकवरी के लिए प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय टीम में वापसी करने से पहले बार्टलेट को क्वींसलैंड के लिए आगामी शेफील्ड शील्ड और एक दिवसीय मैचों में खेलने की उम्मीद है ताकि वह मैच फिटनेस हासिल कर सकें।

मैं बचपन से ही सपना देख रहा था इस शतक का : सरफराज खान

बेंगलुरु (एजेंसी)। खेले जा रहे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़कर न केवल भारतीय टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकालने की कोशिश किया हैं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वह महज स्थानापन्न खिलाड़ी नहीं हैं। शुभमन गिल की चोट के कारण अंतिम एकादश में शामिल हुए सरफराज ने शानदार 150 रन बनाए और ऋषभ पंत (99) के साथ मिलकर 177 रनों की अहम साझेदारी की। उनकी इस पारी ने भारत को पहली पारी में 356 रन से पिछड़ने के बावजूद मैच में बनाए रखा और न्यूजीलैंड के सामने 107 रन का लक्ष्य रखा।

सरफराज खान के लिए यह शतक खास था क्योंकि यह उनके बचपन का सपना था। उनके पिता नौशाद का भी सपना था कि उनका बेटा टेस्ट क्रिकेट में बड़ा स्कोर बनाए। मैच के बाद सरफराज ने संवाददाता सम्मेलन में अपने पिता का जिक्र करते हुए कहा, मैं अपने पिता से अक्सर बात करता हूं क्योंकि वह मुझे हर समय प्रेरित करते रहते हैं। भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा पहला शतक था, और यह मेरे लिए बहुत खास है। सरफराज जानते हैं कि भारतीय टीम के मध्यक्रम में जगह बनाना आसान नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। मैं अब केवल वर्तमान में जीना चाहता हूं, उन्होंने कहा, यह बताते हुए कि भविष्य की चिंता करने से उनका वर्तमान प्रभावित हो सकता है।

सरफराज ने अपनी पारी के दौरान न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों की शॉर्ट पिच गेंदों पर बेहतरीन ऑफ साइड खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने 150 रन में से 83 रन ऑफ साइड में बनाए। उन्होंने कहा, मैं ऊंची उठती गेंदों को खेलना पसंद करता हूं। मुंबई में उछाल भरी पिचों पर मैं नियमित रूप से अभ्यास करता हूं, जिससे मुझे ऐसी गेंदों को खेलने में आसानी होती है। सरफराज ने ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 177 रन जोड़े। पंत, जो अपनी चोट से उबर रहे थे, शुरुआत में लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। ऐसे में सरफराज ने पहले घंटे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों का सामना किया और स्पिनरों के आने के बाद पंत को स्ट्राइक दी, जिससे पंत अपनी शैली में बल्लेबाजी कर सके।

कार्तिक मास में क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए

कार्तिक मास चल रहा है। इस माह में विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ ही यम, धन्वंतरि, गोवर्धन, श्रीकृष्ण, चित्रगुप्त आदि की पूजा का महत्व होता है। इस माह में एक साथ समस्त देवी-देवताओं को प्रसन्न किया जा सकता है। आओ जानते हैं कि इस माह में क्या करना चाहिए और क्या नहीं जानते हैं।

पीपल पूजा : पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी का पीपल के वृक्ष पर निवास रहता है। पूर्णिमा के दिन जो भी जातक मीठे जल में दूध मिलाकर पीपल के पेड़ पर चढ़ाता है उस पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

चावल का दान : कार्तिक मास में गरीबों को चावल दान करने से चन्द्र ग्रह शुभ फल देता है।

शिवलिंग पूजा : इसी तरह इस माह शिवलिंग पर कच्चा दूध, शहद व गंगाजल मिला कर चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

द्वार श्रृंगार और पूजा : कार्तिक मास के प्रमुख पर्वों पर घर के मुख्यद्वार पर आम के पत्तों का तोरण बांधें।

उपहार : इस माह पत्नी या किसी नन्ही बच्ची को उपहार दें।

रंगोली : कार्तिक मास में माह भर द्वार पर रंगोली जरूर बनाएं। इससे विशेष समृद्धि के योग बनते हैं। नवग्रह प्रसन्न होते हैं।

ये कार्य न करें

- शादीशुदा व्यक्ति कार्तिक मास में शारीरिक संबंध न बनाएं वरना चन्द्रमा के दुष्प्रभाव आपको व्यथित करेंगे।
- इस माह में मांसाहार, शराब और मछली आदि तामसिक भोजन नहीं करना चाहिए।
- इस माह में बैंगन, दही, करेला और जीरा नहीं खाना चाहिए। मूली खाना फायदेमंद होगा।
- दलहन (दालों) खाना निषेध- कार्तिक महीने में द्विदलन अर्थात उड़द, मूंग, मसूर, चना, मटर, राई आदि नहीं खाना चाहिए।

घर लाएं मिट्टी की ये खास वस्तुएं

चमक जाएगी किस्मत, घर लाएं मिट्टी ना सिर्फ मन को सुवासित करती है बल्कि इसके बर्तन, खिलौने और सामग्री अगर घर में लाकर रखी जाए तो जिंदगी भी महक सकती है। मिट्टी से बनी चीजें सुख, सौभाग्य और समृद्धि की कारक होती हैं। मिट्टी का उपयोग हमारे जीवन को भाग्यशाली बना सकता है।

- हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए।
- वास्तुशास्त्र के अंतर्गत भी मिट्टी को महत्वपूर्ण कहा गया है। मिट्टी के घड़े से पानी पीना या घर में मिट्टी के बर्तन रखना अत्यंत लाभदायक माना गया है।
- ऐसा करने से आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बना रहता है। लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिट्टी के कुछ बर्तन ऐसे हैं जो हर घर में होने ही चाहिए। जो लोग चाहते हैं कि उनके जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता हमेशा बरकरार रहे उन लोगों को कुछ विशेष प्रकार के मिट्टी के बर्तन अपने घर में रखने चाहिए।
- मिट्टी के इन उपयोगी बर्तनों में सबसे पहला नाम है घड़े का।
- बहुत से परिवारों में घड़े का पानी पिया जाता है, घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है।
- यहां तक कि विज्ञान भी यह मानता है कि घड़े का पानी सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।
- अगर आपके घर में घड़ा हैं तो इसे अपने घर की उत्तर-पूर्वी दिशा में ही रखें। यह आपके घर और आसपास के वातावरण की सभी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।
- परिवार में सुख और समृद्धि के मार्ग भी खुल जाते हैं।
- घर में कोई व्यक्ति तनाव ग्रस्त हैं या मानसिक रूप से परेशान है तो आप उन्हें माटी के घड़े से किसी भी पौधे को पानी देने के लिए कहें।
- लस्सी और चाय कुल्हड़ में पीने का मजा ही कुछ और है, लेकिन मिट्टी से बने ये गिलास मंगल ग्रह के दुष्प्रभाव से भी मुक्ति दिलवाते हैं।
- इसलिए जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित है, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ कुल्हड़ में ही पीने चाहिए।
- हर शनिवार के दिन किसी कुल्हड़ में पानी भरकर पीपल के पेड़ के नीचे रखने से करियर में लाभ मिलेगा।
- कुल्हड़ में पानी भरकर अपनी छत पर भी प्यासे पक्षियों के लिए रख सकते हैं, इससे अगर आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आपकी तलाश जल्द पूरी होगी।
- मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में रखने से भी आपकी धन संबंधी परेशानियां तो दूर होती ही हैं, साथ ही धन की स्थिरता भी बनी रहती है।
- जो लोग धन संबंधी परेशानियां झेल रहे हैं उन्हें हर शनिवार मिट्टी का दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाना चाहिए।
- अगर किसी व्यक्ति के दांपत्य जीवन में परेशानियां चल रही हैं तो उसे नियमित तौर पर तुलसी के पौधे पर मिट्टी का दीया जलाना चाहिए।
- नि:संतान स्त्री या पुरुष को चार मुंह वाले दीये में चार लौ लगाकर श्रीकृष्ण की मूर्ति के आगे प्रज्वलित करना चाहिए।
- मिट्टी से बनी विभिन्न वस्तुओं या खिलौनों का ड्राइंग रूम में प्रयोग करने से धन की आवक बढ़ती है।

इन पुष्पों से करें श्री हरि का पूजन

कार्तिक मास चल रहा है। इस माह की समाप्ति कार्तिक पूर्णिमा के दिन यानी को होगी। इस महीने में विशेष तौर पर भगवान श्री विष्णु का पूजन करने की मान्यता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार कार्तिक माह भगवान श्रीहरि का महीना माना गया है। मान्यतानुसार जो भक्त कार्तिक मासपर्यंत निम्न पुष्पों से भगवान श्री हरि विष्णु का पूजन करते हैं, उनके जन्म-जन्मांतर के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं देवउठनी एकादशी या हरि प्रबोधिनी एकादशी के दिन तो अवश्य ही इन पुष्पों से श्री नारायण का पूजन करना चाहिए। इन पुष्पों के साथ ही तुलसी दल से पूरे कार्तिक मास में विष्णु पूजन करने से मनुष्य को सभी तरह के सुख और चारों दिशाओं से समृद्धि की प्राप्ति होती है।

जानिए किन पुष्पों से करें विष्णु पूजन

- कार्तिक मास में जो मनुष्य तुलसी से भगवान का पूजन करते हैं, उनके 10,000 जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- जो मनुष्य वकुल और अशोक के फूलों से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, वे सूर्य-चंद्रमा रहने तक किसी प्रकार का शोक नहीं पाते।
- जो मनुष्य अगस्त्य के पुष्प से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, उनके आगे इंद्र भी हाथ जोड़ता है। तपस्या करके संतुष्ट होने पर हरि भगवान जो नहीं करते, वह अगस्त्य के पुष्पों से भगवान को अलंकृत करते हैं।
- कार्तिक मास में तुलसी दर्शन करने, स्पर्श करने, कथा कहने, नमस्कार करने, स्तुति करने, तुलसी रोपण, जल से सींचने और प्रतिदिन पूजन-सेवा आदि करने से हजार करोड़ युगपर्यंत विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य तुलसी का पौधा लगाते हैं, उनके कुटुम्ब से उत्पन्न होने वाले प्रलयकाल तक विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य कार्तिक मास में तुलसी का रोपण करता है और रोपी गई तुलसी जितनी जड़ों का विस्तार करती है उतने ही हजार युगपर्यंत तुलसी रोपण करने वाले सुकृत का विस्तार होता है।
- जिस किसी मनुष्य द्वारा रोपी गई तुलसी से जितनी शाखा, प्रशाखा, बीज और फल पृथ्वी में बढ़ते हैं, उसके उतने ही कुल जो बीत गए हैं और होंगे, वे 2,000 कल्प तक विष्णुलोक में निवास करते हैं।
- जो मनुष्य कदम्ब के पुष्पों से श्रीहरि का पूजन करते हैं, वे कभी भी यमराज को नहीं देखते।
- जो भक्त गुलाब के पुष्पों से भगवान विष्णु का पूजन करते हैं, उन्हें मुक्ति मिलती है।
- जो मनुष्य सफेद या लाल कनेर के फूलों से भगवान का पूजन करते हैं, उन पर भगवान अत्यंत प्रसन्न होते हैं।
- जो मनुष्य भगवान विष्णु पर आम की मंजरी चढ़ाते हैं, वे करोड़ों गायों के दान का फल पाते हैं।
- जो मनुष्य दूब के अंकुरों से भगवान की पूजा करते हैं, वे 100 गुना पूजा का फल ग्रहण करते हैं।
- जो मनुष्य विष्णु भगवान को चंपा के फूलों से पूजते हैं, वे फिर संसार में नहीं आते।
- पीले रक्त वर्ण के कमल पुष्पों से भगवान का पूजन करने वाले को श्वेत द्वीप में स्थान मिलता है।
- जो भक्त विष्णुजी को केतकी के पुष्प चढ़ाते हैं, उनके करोड़ों जन्म के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- जो मनुष्य शमी के पत्र से भगवान की पूजा करते हैं, उनको महाघोर यमराज के मार्ग का भय नहीं रहता।
- कार्तिक मास में जो मनुष्य बिल्व पत्र से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, वे मुक्ति को प्राप्त होते हैं।

कार्तिक मास में बरसेंगे भगवान विष्णु के आशीर्वाद, जानें तुलसी पूजा के लाभ

कार्तिक माह भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का महीना है। इस महीने में दोनों की पूजा के साथ ही तुलसी पूजा का खास महत्व होता है। माता लक्ष्मी और तुलसी की पूजा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस माह की देवउठनी ग्यारस एकादशी पर तुलसी करने का खासा महत्व है।

महाप्रसाद जननी, सर्व सौभाग्यवर्धिनी
आधि व्याधि हरा नित्यं,
तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

- भगवान विष्णु को तुलसीजी बहुत ही प्रिय हैं। कार्तिक मास में तुलसीजी का पूजा करने से विशेष पुण्य लाभ मिलता है और जीवन से सारे दुख-संकट दूर हो जाते हैं।
- शालिग्राम के साथ तुलसीजी की पूजा ऐसा करने से अकाल मृत्यु नहीं होती है।
- कार्तिक मास में तुलसीजी की पूजा करके इसके पौधे का दान करना श्रेष्ठ माना गया है।
- कार्तिक माह में तुलसी के पौधे को हर गुरुवार को कच्चे दूध से सींचना चाहिए। इससे माता तुलसी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं।
- कार्तिक महीने में प्रतिदिन शाम को तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाकर रखना चाहिए। इसे पुण्य की प्राप्ति होती है और घर में सुख शांति बनी रहती है।
- कार्तिक में ब्रह्म मुहूर्त में उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है।
- तुलसी की पूजा और इसके सेवन से हर तरके रोग और शोक मिट जाते हैं और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

घर की उत्तर ईशान की दीवारों का रंग ऐसा रखें

रंगों का हमारे जीवन में बहुत बहुत असर होता है। वास्तु के अनुसार ही घर के पर्दे, चादर, कपड़े और दीवारों तक का रंग होना चाहिए। यदि आप इसका ध्यान रखते हैं तो आने वाली बहुत-सी परेशानियों से बच जाएंगे। वास्तु के अनुसार घर की उत्तर और ईशान दिशा महत्वपूर्ण होती है।

उत्तर की दीवार

- घर का उत्तर का भाग जल तत्व प्रधान होता है। इसे धन और लक्ष्मी का स्थान भी कहा जाता है अत: इस स्थान को स्वच्छ, पवित्र और खाली रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार इसकी साज-सजा में हल्के हरे रंग या पिस्ता हरे रंग का प्रयोग किया जाना चाहिए। हालांकि आप आसमानी रंग का प्रयोग भी कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।
- यदि यहां अन्य किसी भी प्रकार के गहरे रंगों का प्रयोग किया तो आर्थिक हानि तो होगी ही, साथ ही अन्य परेशानियां भी खड़ी हो सकती हैं। यह दिशा हवा से जुड़ी है।

उत्तर-पूर्व अर्थात ईशन की दीवार

- उत्तर-पूर्व को ईशान कोण कहते हैं। इस दिशा में देवता निवास करते हैं। यह भगवान शिव की दिशा भी मानी जाती है। इस दिशा में आकाश ज्यादा खुला होता है।
- इस दिशा की दीवार का रंग आसमानी, सफेद या हल्के बैंगनी रंग का होना चाहिए। हालांकि इसमें पीले रंग का प्रयोग इसलिए करना चाहिए, क्योंकि यह देवी और देवताओं का स्थान होता है।

आखिर ऋषियों की संख्या 7 ही क्यों हैं? जानिए हर काल के 7 ऋषि कौन हैं

भारतीय ऋषियों और मुनियों ने ही इस धरती पर धर्म, समाज, नगर, ज्ञान, विज्ञान, खगोल, ज्योतिष, वास्तु, योग आदि ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया था। दुनिया के सभी धर्म और विज्ञान के हर क्षेत्र को भारतीय ऋषियों का ऋणी होना चाहिए। उनके योगदान को याद किया जाना चाहिए। उन्होंने मानव मात्र के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी, समुद्र, नदी, पहाड़ और वृक्षों सभी के बारे में सोचा और सभी के सुरक्षित जीवन के लिए कार्य किया।

।।सप्त ब्रह्मर्षि, देवर्षि, महर्षि, परमर्षयः।
कण्डर्षिश्च, श्रुतर्षिश्च, राजर्षिश्च क्रमावशः।।

अर्थात - 1. ब्रह्मर्षि, 2. देवर्षि, 3. महर्षि, 4. परमर्षि, 5. काण्डर्षि, 6. श्रुतर्षि और 7. राजर्षि- ये 7 प्रकार के ऋषि होते हैं इसलिए इन्हें सप्तर्षि कहते हैं।

सप्तऋषि तारा मंडल

आकाश में 7 तारों का एक मंडल नजर आता है। उन्हें सप्तर्षियों का मंडल कहा जाता है। इसके अतिरिक्त सप्तर्षि से उन 7 तारों का बोध होता है, जो ध्रुव तारे की परिक्रमा करते हैं। उक्त मंडल के तारों के नाम भारत के महान 7 संतों के आधार पर ही रखे गए हैं। वेदों में उक्त मंडल की स्थिति, गति, दूरी और विस्तार की विस्तृत चर्चा मिलती है।

भारत में ऋषियों और गुरु-शिष्य की लंबी परंपरा रही है। ब्रह्मा के पुत्र भी ऋषि थे तो भगवान शिव के शिष्यगण भी ऋषि ही थे। प्रथम मनु स्वायंभुव मनु से लेकर बौद्धकाल तक ऋषि परंपरा के बारे में जानकारी मिलती है। हिन्दू पुराणों ने काल को मन्वंतरों में विभाजित कर प्रत्येक मन्वंतर में हुए ऋषियों के ज्ञान और उनके योगदान को परिभाषित किया है। प्रत्येक मन्वंतर में प्रमुख रूप से 7 प्रमुख ऋषि हुए हैं। विष्णु पुराण के अनुसार इनकी नामावली इस प्रकार है-

- प्रथम स्वायंभुव मन्वंतर में- मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, ऋतु और वशिष्ठ।
- द्वितीय स्वारोचिष मन्वंतर में- ऊर्ज्ज, स्तम्भ, वात, प्राण, पृषभ, निरय और परीवान।
- तृतीय उत्तम मन्वंतर में- महर्षि वशिष्ठ के सातों पुत्र।
- चतुर्थ तामस मन्वंतर में- ज्योतिर्धामा, पृथु, काव्य, चैत्र, अग्नि, वनक और पीवर।
- पंचम रैवत मन्वंतर में- हिरण्यरोमा, वेदश्री, ऊर्ध्वबाहु, वेदबाहु, सुधामा, पर्जन्य और महामुनि।
- षष्ठ चाक्षुष मन्वंतर में- सुमेधा, विरजा, हविष्मान, उतम, मधु, अतिनामा और सहिष्णु।
- वर्तमान सप्तम वैवस्वत मन्वंतर में- कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और भारद्वाज।

भविष्य में

- अष्टम सावर्णिक मन्वंतर में- गालव, दीप्तिमान, परशुराम, अश्वत्थामा, कृप, ऋष्यश्रृंग और व्यास।
- नवम दक्षसावर्णि मन्वंतर में- मेधातिथि, वसु, सत्य, ज्योतिष्मान, द्युतिमान, सबन और भव्य।
- दशम ब्रह्मसावर्णि मन्वंतर में- तपोमूर्ति, हविष्मान, सुकृत, सत्य, नाभाग, अप्रतिमौजा और सत्यकेतु।
- एकादश धर्मसावर्णि मन्वंतर में- वपुष्मान, घृणि, आरुणि, निःस्वर, हविष्मान, अनघ और अग्नितेजा।
- द्वादश रुद्रसावर्णि मन्वंतर में- तपोद्युति, तपस्वी, सुतपा, तपोमूर्ति, तपोनिधि, तपोरति और तपोधृति।
- त्रयोदश देवसावर्णि मन्वंतर में- धृतिमान, अव्यय, तत्वदर्शी, निरुत्सुक, निर्मोह, सुतपा और निष्प्रकम्प।
- चतुर्दश इन्द्रसावर्णि मन्वंतर में- अग्नीध्र, अग्नि, बाहु, शुचि, युक्त, मागध, शुक्र और अजित।
- इन ऋषियों में से कुछ कल्पान्त-चिरजीवी, मुक्तात्मा और दिव्यदेहधारी हैं।

शतपथ ब्राह्मण के अनुसार

1. गौतम, 2. भारद्वाज, 3. विश्वामित्र, 4. जमदग्नि 5. वसिष्ठ, 6. कश्यप और 7. अत्रि।

महाभारत के अनुसार

1. मरीचि, 2 . अत्रि, 3. अंगिरा, 4. पुलह, 5. ऋतु, 6. पुलस्त्य और 7. वसिष्ठ सप्तर्षि माने गए हैं।

- महाभारत में राजधर्म और धर्म के प्राचीन आचार्यों के नाम इस प्रकार हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज और गौरशिरस मुनि।
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में इनकी सूची इस प्रकार है- मनु, बृहस्पति, उशनस (शुक्र), भरद्वाज, विशालाक्ष (शिव), पराशर, पिशुन, कौणपदंत, वातव्याधि और बहुदंती पुत्र।
- वैवस्वत मन्वंतर में वशिष्ठ ऋषि हुए। उस मन्वंतर में उन्हें ब्रह्मर्षि की उपाधि मिली। वशिष्ठजी ने गृहस्थाश्रम की पालना करते हुए ब्रह्माजी के मार्गदर्शन में उन्होंने सृष्टि वर्धन, रक्षा, यज्ञ आदि से संसार को दिशाबोध दिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पानी में डूबी प्रवासियों से भरी नाव, बाल-बाल बचे 65 यात्री

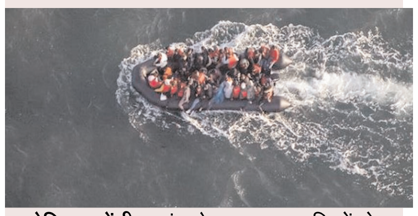

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के तट पर प्रवासियों से खचाखच भरी एक नाव डूब गई, जिससे एक बच्चे की मौत हो गई। इस हादसे में अब तक 65 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है और एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि नाव पर यात्रियों की संख्या अधिक थी, जिसके कारण अधिक वजन होने से यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल था। यात्री चीख-पुकार करते हुए अपनी जान बचाने के लिए पानी में इधर-उधर भागे। नाव पर मौजूद लोगों ने एक-दूसरे की मदद की, जब स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों को इस घटना की सूचना मिली, तो उन्होंने तुरंत बचाव दल को मौके पर भेजा। बचाव दल ने 65 यात्रियों को सुरक्षित दूसरी नाव पर शिफ्ट कर दिया, जिससे उनकी जान बच गई। स्थानीय नौसेना के अनुसार, इस हादसे में एक बच्चा बेहोश मिला। डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का मानना है कि बच्चे की मौत दम घुटने और सदमे के कारण हुई है। उसके परिजनों से पूछताछ की जा रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। फ्रांसीसी समुद्री अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात फ्रांस के तट के पास चैनल में ब्रिटेन जा रही प्रवासियों से भरी एक नाव डूब गई। इस घटना का कारण नाव का अधिक वजन बताया जा रहा है। इस वर्ष फ्रांस में समुद्र में डूबने से करीब 52 प्रवासियों की मौत हो चुकी है। इससे पहले 3 सितंबर को 12 बच्चों की भी इसी तरह से डूबने से मौत हुई थी। कई प्रवासी गैर-कानूनी तरीके से फ्रांस में घुसने का प्रयास करते हैं। स्थानीय जांच एजेंसियां समुद्र में गश्त लगा रही हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

खाई में गिरी जापानी पर्यटकों से भरी बस, 22 लोग घायल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में एक दुखद घटना में जापानी पर्यटकों को ले जा रही एक बस बृहस्पतिवार को सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे उसमें सवार 22 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना अंकारा से लगभग 250 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में अफ्योनकाराहिसर प्रांत के एक राजमार्ग पर हुई। दुर्घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। घायलों को अफ्योनकाराहिसर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी चिकित्सा की जा रही है। इनमें से एक यात्री की हालत गंभीर बताई गई है। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी की चीन को सलाह- रूसी सेना को स्पोर्ट करे बंद, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध से रहे दूर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने चीन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को दिए जा रहे समर्थन पर शुक्रवार को चिंता जताई और अपने चीनी समकक्ष से आग्रह किया कि वह अपने देश की कंपनियों को रूसी सेना को उपकरणों की आपूर्ति करने से रोकें। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ शुक्रवार को बैठक की थी। डेविड लैमी ब्रिटेन में जुलाई में 'लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद चीन की यात्रा करने वाले पहले कैबिनेट मंत्री हैं। उन्होंने चीन के उप प्रधानमंत्री डिंग श्वेशियांग से शुक्रवार को मुलाकात की तथा उसी दिन बाद में विदेश मंत्री वांग यी से भी बातचीत की। ब्रिटेन के विदेश मंत्री बीजिंग के साथ संबंधों को सुधारने के प्रयासों के तहत चीन की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। दरअसल, जासूसी के आरोपों, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का समर्थन करने और हांगकांग में आम नागरिकों की स्वतंत्रता का दमन के मुद्दे पर दोनों देशों के संबंधों में खटास पैदा हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटेन की सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि चीन के साथ संबंध ''व्यावहारिक और आवश्यक हैं।

इराकी मिलिशिया समर्थकों का सऊदी चैनल एमबीसी के कार्यालय पर हमला, जमकर की तोड़फोड़ और आगजनी

रियाद, एजेंसी। ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया समूह के समर्थकों ने सऊदी अरब के एमबीसी चैनल के कार्यालय पर हमला किया। यह हमला तब हुआ जब चैनल के एक कार्यक्रम में एक मिलिशिया कमांडर को आतंकवादी कहकर संबोधित किया गया। इस टिप्पणी से नाराज होकर इराक में इस मिलिशिया के सैकड़ों समर्थकों ने एमबीसी के दफ्तर पर धावा बोल दिया शनिवार की सुबह लगभग 400 से 500 लोगों का एक बड़ा समूह बगदाद में स्थित एमबीसी के दफ्तर में घुस आया। उन्होंने दफ्तर के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कंप्यूटर तोड़ दिए और कार्यालय के एक हिस्से में आग भी लगा दी। एक अनाम सुरक्षा अधिकारी ने एजेंस फ्रांस-प्रेस को बताया कि कार्यालय में लगी आग को तुरंत बुझा दिया गया। यह हमला इसलिए हुआ क्योंकि एमबीसी चैनल ने एक कार्यक्रम के दौरान इराकी मिलिशिया के कमांडर को आतंकवादी कहा था। इस कमांडर का संबंध ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया से था, जो कि इराक में एक प्रभावशाली समूह है। इस बयान को मिलिशिया समर्थकों ने अपमानजनक माना और इसके विरोध में दफ्तर पर हमला कर दिया। यह हमला इराक और सऊदी अरब के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और बढ़ा सकता है। सऊदी एमबीसी नेटवर्क पर पहले भी कई बार आरोप लगे हैं कि वे ईरान समर्थित समूहों के खिलाफ कार्यक्रम प्रसारित करते हैं, जिससे इस तरह के गुस्से का माहौल पैदा होता है।

कौन था इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हुए हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार, हमास का अगला नेता कौन ?

येरूशलम, एजेंसी। इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हुए हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार को मार गिराया गया है. इजराइल ने इसकी पुष्टि भी कर दी है. याह्या सिनवार हमास का सबसे खूंखार नेता माना जाता था. उसे खान यूनिस का कसाई भी कहा जाता था. सात अक्टूबर के हमले में 1200 लोग मारे गए थे, जबकि 251 लोगों का अपहरण कर लिया गया था. इस हमले के बाद इजराइल के सैनिकों ने याह्या सिनवार को जिम्मेदार ठहराया था. उनका कहना था कि इसने ही साजिश रचकर इजराइलियों की हत्या की, इसलिए उसकी मौत तय है, उसे खत्म किया जाएगा. इजराइल मानता है कि याह्या सिनवार के साथ-साथ इस हमले में मुहम्मद दैफ भी शामिल था. दैफ हमास की सैन्य शाखा में शामिल था. इजराइल का दावा है कि दैफ भी मारा गया. हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है.

कौन था याह्या सिनवार : याह्या सिनवार को हमास में दूसरे नंबर का नेता माना जाता था. पहले नंबर पर इस्माइल हनिया था. हनिया पहले ही मारा जा चुका है. इजराइली सैनिकों ने जुलाई में उसे मार गिराया था. इजराइल ने जो जानकारी दी है, उसके अनुसार सात अक्टूबर की घटना के बाद सिनवार लगातार अंडर ग्राउंड रह रहा था. इजराइल के अनुसार वह किसी से भी बात नहीं करता था, क्योंकि उसे उसके लोकेशन को लेकर पकड़े जाने का भय था.

कैंप में हुआ था याह्या सिनवार का जन्म : याह्या सिनवार को पहले अबु इब्राहिम के नाम से जाना जाता था. वह दक्षिणी गाजा पट्टी का रहने वाला था. उसका जन्म गाजा के खान यूनिस के एक शरणार्थी शिविर में हुआ था. 1948 में याह्या के माता-पिता शरणार्थी बन गए थे. उसे पुश्तैनी इलाके से निकाल दिया गया था. 1948 में इजराइल ने फिलस्तीनी इलाके पर हमला किया था. इस हमले की वजह से हजारों फिलिस्तीनी शरणार्थी बन गए थे और उन्हीं में याह्या का परिवार भी शामिल था.

इस्लामिक कॉलेज से ली डिग्री : सिनवार ने खान यूनिस में ही स्कूल की पढ़ाई की. गाजा के एक इस्लामिक कॉलेज से स्नातक किया. बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक खान यूनिस में ही याह्या का संपर्क मुस्लिम ब्रदरहुड से हुआ. दरअसल, जिस कैंप में याह्या रहता था, उसी कैंप में मुस्लिम ब्रदरहुड के समर्थक भी रहा करते थे. ऐसा कहा जाता है कि याह्या का व्यवहार तभी से हिंसक हो गया था. हमास के संस्थापक का बन गया चहेता रिपोर्ट के अनुसार 1982 में उसकी पहली बार गिरफ्तारी की गई थी. उस पर इस्लामी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा था और इजराइली सैनिकों ने गिरफ्तारी की थी. जेल से छूटने के बाद वह हमास के संस्थापक शेख अहमद यासीन का चहेता बन गया. हमास की स्थापना 1987 में की गई थी.

याह्या ने हमास के लिए सैन्य दल का किया गठन : याह्या सिनवार ने 1989 में हमास के लिए एक सैन्य दल का गठन किया. इसका नाम अल मज्द रखा गया था. शुरू में इसका काम अपराध करने वालों को सजा देना होता था. बाद में वह हमास का लड़ाकू विंग बन गया.

क्रूरता की वजह से उसे खान यूनिस का कसाई कहा जाता था : बीबीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि याह्या बहुत ही खूंखार था. उसकी छवि कट्टर थी. उसे यदि किसी पर शक होता था कि वह इजाराइल से मिला हुआ है, तो वह उसकी हत्या कर देता था. उसके आसपास का कोई भी आदमी उससे पंगा लेना नहीं चाहता था. यहां तक कि शक होने पर वह अपने आदमियों को भी मार देता था. इसी कारण से सिनवार को खान यूनिस का कसाई भी कहा जाता था.

23 साल तक लगातार जेल में बंद रहा याह्या सिनवार : 1988 में इजराइल ने याह्या को फिर गिरफ्तार किया. 1988 से लेकर 2011 तक वह जेल में बंद रहा. इस दौरान भी उसकी अकड़ बनी रही. मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जेल में वह एक तरह से नेता बन गया था और पुलिस के साथ कैदियों की ओर से वह खुद बात करता था. याह्या अरबी के साथ-साथ हिब्रू भी बोलता था.

इजराइली सैनिक के बदले याह्या को जले से किया गया रिहा : इजराइल ने 2011 में अपने सैनिक गिलाड शलिट के बदले याह्या सिनवार समेत 1027 फिलिस्तीनियों को छोड़ा था. शलिट खुद पांच साल तक हमास के हाथों बंधक रहा था. ऐसा कहा जाता है कि उसकी गिरफ्तारी में याह्या के करीबी का हाथ था. गाजा के चुनाव में हमास को जीत हासिल हुई. हमास ने यासिर अराफात की पार्टी अल-फतह का लगभग सफाया कर दिया. उनके नेताओं को भी मार दिया. याह्या ने अन्य कई संगठनों से समझौता करके अपना गुट बड़ा कर लिया था. 2013 में याह्या को गाजा पट्टी में पॉलिटिकल ब्यूरो का सदस्य नियुक्त किया गया था. 2017 में वह इस ब्यूरो का प्रमुख बन गया. 2015 मे अमेरिका ने याह्या को विशेष नामांकित वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था. इजराइली सेना के प्रवक्ता कर्नल रिचर्ड हेख्त ने याह्या को शैतान का चेहरा कहा था. अब हमास का अगला नेता कौन होगा, इस पर संगठन में विचार विमर्श जारी है. कुछ नामों पर विचार किया जा रहा है. इनमें से महमूद अल जहर, मौसा अबु मार्जुक, मोहम्मद सिनवार और खलीफ अल हया के नाम सामने आ रहे हैं।

पाकिस्तान में कॉलेज में रेप के खिलाफ सड़कों पर छात्र, स्कूल कॉलेज बंद

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच सभी स्कूल-कॉलेज को बंद करने का आदेश दिया गया है। पंजाब कॉलेज फॉर वीमेन के कैंपस में एक छात्रा से रेप के आरोपों के बाद पाकिस्तान में छात्र आंदोलन भड़का है। पंजाब पाकिस्तान का सबसे ज्यादा आबादी वाला क्षेत्र है।

अब पंजाब प्रांत के गृह विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को लोगों के इकट्ठा होने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। स्कूल कॉलेज बंद होने से पंजाब प्रांत में लगभग 2.6 करोड़ बच्चों और कॉलेज छात्रों की पढ़ाई पर असर पड़ेगा। रावलपिंडी पुलिस का कहना है कि गुरुवार को शहर में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी के आरोप में 380 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पर उपलब्ध फोटो/वीडियो से आगजनी करने वाले छात्रों की पहचान करेगी। छात्रों का प्रदर्शन अब लाहौर के अलग-अलग कॉलेजों से लेकर रावलपिंडी जैसे शहरों तक फैल गए हैं। रावलपिंडी में हो रहे प्रदर्शन पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया। सोशल मीडिया पोस्ट वायरल होने पर भड़के छात्र पुलिस ने गार्ड को गिरफ्तार पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल होने के बाद छात्रों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। वायरल पोस्ट में खबर थी कि पंजाब कॉलेज फॉर वीमेन के कैंपस में एक छात्रा के साथ रेप हुआ है। पुलिस ने इस सोशल मीडिया पोस्ट में दिखे एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार भी किया था। लेकिन अब तक कोई पीड़िता सामने नहीं आई है और पुलिस आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकी है। मामले पर पंजाब ग्रुप ऑफ कॉलेज के लाहौर निदेशक आरिफ चौधरी का कहना है कि यदि ये घटना सच साबित होती है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा और छात्रों के साथ खड़ा हो जाऊंगा। वहीं पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ ने कहा है कि जो लोग सोशल मीडिया पर झूठी खबर फैला रहे हैं।

विदेशी महिला इंफ्लूएंसर को पाकिस्तान में नहीं दिखी लड़कियां !

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान का वायरल वीडियो- पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंची एक विदेशी महिला इंफ्लूएंसर का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह एयरपोर्ट और शहर की सड़कों का दृश्य दिखाते हुए हैरानी जताती हैं कि वहां कोई महिला नजर नहीं आ रही है। इस सवाल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, और इस पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।यह वीडियो इस्लामाबाद एयरपोर्ट से शुरू होता है, जहां इंफ्लूएंसर और उनकी एक दोस्त फोन के कैमरे से एयरपोर्ट की भीड़ को दिखाती हैं। एयरपोर्ट की इस भीड़ में न कोई महिला नजर आती है और न ही कोई महिला कर्मचारी दिखाई देती है। इसके बाद इंफ्लूएंसर गाड़ी में बैठकर शहर की सड़कों पर घूमने निकलती हैं। जब वह इस्लामाबाद की सड़कों पर आती हैं, तो वहां भी उन्हें एक भी महिला नहीं दिखती। दुकानों, सार्वजनिक स्थानों, और सड़कों पर पुरुषों का जमावड़ा नजर आता है, लेकिन महिलाओं की कोई उपस्थिति नहीं होती। इंफ्लूएंसर इस दौरान अपने वीडियो में बार-बार कहती हैं, यहां की सारी लड़कियां कहां हैं? यह सवाल वीडियो का मुख्य आकर्षण बन गया है। इस वीडियो को अब तक 1 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है और 1 लाख 71 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इस पोस्ट पर 21 हजार से ज्यादा कमेंट्स भी आ चुके हैं, जिनमें से अधिकांश ने महिलाओं की सार्वजनिक अनुपस्थिति पर हैरानी जताई है।

शहबाज शरीफ ने बाइडन को पत्र लिखा, जेल में कैद में पाकिस्तानी महिला को रिहा करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखकर उस पाकिस्तानी महिला को रिहा करने का आग्रह किया है, जो आतंकवाद के जुर्म में अमेरिका में 86 साल की जेल की सजा काट रही है। सरकारी वकील ने इस्लामाबाद की एक अदालत को शुक्रवार को यह जानकारी दी। शरीफ के पत्र की एक प्रति अदालत में सौंपी गई, जो अमेरिका में प्रशिक्षित तंत्रिका तंत्र विज्ञानी आफिया सिद्दिकी की बहन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आफिया को 2010 में अमेरिकी नागरिकों की हत्या का प्रयास करने सहित अन्य आरोपों में दोषी करार दिया गया था। आफिया आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता को लेकर तब शक के दायरे में आ गई थी, जब उसने अमेरिका छोड़ दिया और 11 सितंबर 2011 को अमेरिका में हुए आतंकवादी हमलों के स्वघोषित साजिशकर्ता खालिद शेख मोहम्मद से निकाह कर लिया। 2008 में वह अफगानिस्तान में अमेरिकी प्राधिकारियों के साथ झड़प में घायल हो गई थी। चश्मदीदों के मुताबिक, उसने अमेरिकी प्राधिकारियों पर गोली चलाई थी।

शरीफ के 13 अक्टूबर को भेजे पत्र की एक प्रति के मुताबिक, पाक प्रधानमंत्री ने बाइडन को बताया कि आफिया जेल में 16 साल की अवधि काट चुकी है। उन्होंने लिखा कि मामले को दया की नजर से देखा जाना चाहिए। शरीफ ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई पाकिस्तानी अधिकारियों ने उससे राजनयिक मुलाकात की और उसे मिलने वाले उपचार को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिससे उसके पहले से ही कमजोर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। पाक प्रधानमंत्री ने अधिकारियों के आकलन के हवाले से लिखा कि दरअसल, उन्हें डर है कि वह अपनी जान ले सकती है। उन्होंने बाइडन से आफिया की बहन की क्षमादान याचिका स्वीकार करने और मानवीय आधार पर उसकी रिहाई का आदेश देने का आग्रह किया।

जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय पर बम हमला, संदिग्ध गिरफ्तार- मीडिया रिपोर्ट

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 2022 में उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह संसदीय चुनाव के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के एक उम्मीदवार के प्रचार में भाषण दे रहे थे। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय में शनिवार को एक व्यक्ति ने कई बम फेंके जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सार्वजनिक प्रसारणकर्ता 'एनएचके' और अन्य जापानी मीडिया ने यह जानकारी दी।

इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। टोक्यो पुलिस ने इस घटना के संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। समाचार रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें बताया गया कि आरोपी ने अपनी कार को पास की बाड़ में घुसा दिया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमले के पीछे उसका मकसद क्या था।

सत्तारूढ़ 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' संदिग्ध वित्तपोषण और कर चोरी से जुड़े घोटाले के कारण आमजन के बीच तेजी से लोकप्रियता खोती जा रही है। हमले के संबंध में पार्टी ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। देश की संसद के निचले सदन के लिए मतदान 27 अक्टूबर को होगा। कुछ दागी नेताओं से सत्तारूढ़ पार्टी ने आधिकारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है लेकिन वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

'लिबरल डेमोक्रेट्स' लंबे समय से जापान में सत्ता में रही है। द्वितीय विश्व युद्ध की तबाही से जापान को आर्थिक महाशक्ति बनाने में उसकी बड़ी भूमिका है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 2022 में उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह संसदीय चुनाव के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के एक उम्मीदवार के प्रचार में भाषण दे रहे थे। हत्यारे ने हस्तनिर्मित बंदूक का इस्तेमाल किया था और कहा था कि वह आबे से इसलिए नाराज था क्योंकि उसकी मां ने परिवार का सारा पैसा 'यूनिफिकेशन चर्च' को दे दिया था और वह आबे को उस चर्च से जुड़ा मानता था।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए उत्तर कोरिया ने भेज दी सेना, इस देश में मची खलबली

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में अब उत्तर कोरिया भी कूद पड़ा है। दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उत्तर कोरियाई सैनिक रूस की तरफ से युद्ध कर रहे हैं। कम से कम 1500 सैनिक रूस पहुंच चुके हैं। वहीं उत्तर कोरिया अपने 12 हजार सैनिकों को रूस भेजेगा। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी ऐसा ही दावा किया था। उन्होंने कहा था कि 10 हजार उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए युद्ध लड़ सकते हैं।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी देते हुए कहा है कि उत्तर कोरिया का यह कदम बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसेज की बैठक के दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि इस मामले को लेकर यूक्रेन के संपर्क में हैं और एआई का इस्तेमाल करके उत्तर कोरियाई अधिकारियों को पहचानने का प्रयास किया जा रहा है। वे यूक्रेन के दोनेत्स्क में ममौजूद हैं और रूस की तरफ से उत्तर कोरियाई मिसाइल फायर करने में मदद कर रहे हैं।

वहीं एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के मिलिट्री बेस पर पहुंचते हुए दिखाई दे रहे हैं। एजेंसी ने पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया ने हथियार भेजने के बाद अब सैनिक भी भेजने शुरू कर दिए हैं। इससे पहले उत्तर कोरिया ने बलिस्टिक

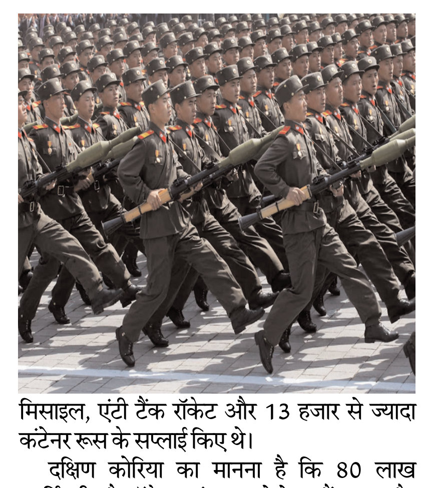

मिसाइल, एंटी टैंक रॉकेट और 13 हजार से ज्यादा कंटेनर रूस के सप्लाई किए थे।

दक्षिण कोरिया का मानना है कि 80 लाख आर्टिलरी और रॉकेट राउंट रूस भेजे गए हैं। रूस और उत्तर कोरिया इस समय काफी नजदीक आ गए हं। दक्षिण कोरिआई एजेंसी ने अमेरिका से भी संपर्क किया है और इस मामले में आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि अगर यह बात सच है तो यह खतरे की घंटी है। इससे संघर्ष और बढ़ सकता है। वहीं अमेरिका और नाटो को तत्काल प्रतिक्रिया देने की जरूरत है।

बांग्लादेश के कानून मंत्री बोले- शेख हसीना का प्रत्यर्पण जरूरी, भारत ने मना किया तो विरोध करेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में कानून मंत्री आसिफ नजरुल ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारत पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण से इनकार करने की कोशिश करता है तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, इसके बाद नजरुल ने यह टिप्पणी की। बांग्लादेशी अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया था कि वे हसीना को 18 नवंबर तक उसके समक्ष पेश करें।

मंत्री नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच पहले से ही एक प्रत्यर्पण संधि है। भारत नियमों का हवाला देकर शेख हसीना को यहां भेजने से इनकार कर सकता है, लेकिन ईमानदारी से कहें तो भारत हसीना को बांग्लादेश भेजने के लिए बाध्य है। विदेश मंत्रालय बोला- सुरक्षा वजहों से भारत में शेख हसीना शेख हसीना पर छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा और मानवाधिकार के उल्लंघन के आरोप हैं। उन पर 200 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। शेख हसीना 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर हिंसा होने के बाद अपनी छोटी बहन के साथ भारत आ गई थीं। इसके बाद बांग्लादेश ने उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा था कि शेख हसीना सुरक्षा वजहों से भारत आई थीं और वह अभी

यहीं पर हैं। माना जाता है कि शेख हसीना को किसी अज्ञान जगह पर रखा गया है। तब से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। नजरुल ने पिछले महीने कहा था कि बांग्लादेश औपचारिक रूप से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगा, जब मुकदमा प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं, शेख हसीना के विरोधी नेता रूहुल कबीर रिजवी ने कहा कि हसीना को शरण देना एक हत्यारे और अपराधी को शरण देने जैसा है। हमें उसे उचित कूटनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से वापस लाना होगा। बांग्लादेश के विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन ने सितंबर में कहा था कि शेख हसीना को सौंपना है या नहीं यह भारत तय करेगा।

भारत-बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि को और आसान बनाया गया भारत-बांग्लादेश के बीच हुए प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक दोनों देशों को गिरफ्तारी वारंट के अलावा अपराध के सबूत भी साझा करने होते थे। हालांकि, साल 2016 में इस नियम को खत्म कर दिया गया था ताकि अपराधियों का प्रत्यर्पण जल्दी हो सके। संधि के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति ने राजनीति से जुड़ा कोई अपराध किया है तो उसके प्रत्यर्पण से इनकार किया जा सकता है, लेकिन किस अपराध को राजनीतिक नहीं कहा जाएगा, इसकी लिस्ट काफी लंबी है। इनमें हत्या, गुमशुदगी, बम विस्फोट और आतंकवाद जैसे अपराध शामिल हैं। ऐसे संगीन मामले में प्रत्यर्पित करने से इनकार नहीं किया जा सकता।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जब्त किया करोड़ों का सोना व नशीला पदार्थ

मुंबई। मुंबई के सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1.45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ (मारिजुआना) जब्त किया। यह अवैध पदार्थ बैंकॉक के एक यात्री के पास से जब्त किया गया था। यात्री ने वैक्यूम-सीलबंद पैकेट में 1.45 किलोग्राम गांजा छुपाया था। चेक-इन लगेज में कपड़ों में नशीला पदार्थ लपेटा हुआ था। आरोपियों के खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

दो करोड़ रुपये का सोना जब्त –

मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सात मामलों में 2 किलो 427 ग्राम सोना जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 70 लाख रुपये है। इसके अलावा 42 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया गया है। इसमें मोबाइल और टैबलेट शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि केन्या, जेद्दा, दुबई, रसूल खैमाह से मुंबई आने वाली उड़ानों के जरिए सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद अधिकारियों ने इन विमानों के बाहर जाल बिछा दिया था। इन उड़ानों से आने वाले कुछ यात्रियों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान इस सोने की तस्करी का खुलासा हुआ।

श्रीलंका ने गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

नई दिल्ली। श्रीलंका ने मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। भारतीय उच्चायोग ने एक पोस्ट में कहा कि 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया गया है और वे तमिलनाडु, भारत के लिए रवाना हो गए हैं। मछुआरों का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है। श्रीलंका नौसेना की आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस साल देश की नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीयों की संख्या बढ़कर 413 हो गई है जबकि 55 नौकाएं जब्त की गई हैं।

बारामूला जिले में सेना ने की घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा पर सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि जवानों ने उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधियां देखीं और घुसपैठियों को ललकारा। घुसपैठियों ने जवानों को आता देख गोलीबारी शुरू कर दी जिसका सेना के जवानों ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि इसमें एक घुसपैठिया मारा गया है। उन्होंने दुर्गम इलाका होने के कारण मारे गए घुसपैठिए का शव अभी तक बरामद नहीं हो सका है।

आरएसएस कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोपी का घर ढहाया

जयपुर। जयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 10 कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमले के आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया गया है। बुलडोजर कार्रवाई को अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई बताया जा रहा है। जानकारी अनुसार रजनी विहार इलाके में एक मंदिर में जागरण के दौरान आरोपी बाप-बेटे ने आरएसएस कार्यकर्ताओं पर हमला किया था। गुरुवार को हुए इस हमले के बाद, शुक्रवार को एसीपी गौरीशंकर शर्मा ने मौके पर मुआयना किया। शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने मकान मालिक नसीब चौधरी को नोटिस जारी किया और 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा। जवाब नहीं मिलने पर, रविवार सुबह 10-40 बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी गई। एसीपी के अनुसार नसीब चौधरी के घर से सामान हटाते समय क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय निवासियों ने चौधरी को भूमाफिया करार देते हुए बताया कि वह मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों का विरोध करता था। वहीं पूर्व महापौर शील धाभाई ने इसे एक शर्मनाक और दर्दनाक घटना करार दिया है। उन्होंने कहा कि नसीब ने मंदिर पर कब्जा कर रखा था और इसकी कार्रवाई बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। एसीपी शर्मा ने आश्वासन दिया कि मंदिर और पार्क की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

अयोध्या में दीपोत्सव पर निकलेंगी झांकियां, मुस्लिम कारीगर कर रहे तैयार

अयोध्या। इस बार अयोध्या में दीपोत्सव खास होगा। रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं, जिसकी झलक दीपोत्सव में इस बार देखने को मिलेगी। इस बार दीपोत्सव में झांकियां होंगी जिसे दर्जनों मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं। रामायण के सातों कांडों पर झांकियां तैयार की जा रही हैं। इसके साथ ही राम मंदिर मॉडल और राम दरबार की झांकियां सबसे खास होगी। युद्ध स्तर पर झांकियां बनाने का काम किया जा रहा है, जो 27 अक्टूबर को रिहर्सल के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगी। दीपोत्सव हर साल एक नया इतिहास रचता है। इस बार दीपोत्सव में सबसे खास अयोध्या के सड़कों पर निकलने वाली झांकियां होंगी। भगवान राम के जीवन पर आधारित यह झांकियां साकेत महाविद्यालय से निकलकर और लता मंगेशकर चौक तक जाएंगी, जहां सीएम योगी झांकियों का स्वागत करेंगे। 18 झांकियां निकलेंगी जिसमें आठ झांकियां पर्यटन विभाग तो 10 झांकियां सूचना विभाग की हैं। इन झांकियों को 30 से ज्यादा मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं, जो पिछले तीन सालों से लगातार दीपोत्सव की झांकियां बनाते आ रहे हैं जिनकी कारीगरी देखते ही बनती है लोग इनकी कारीगरी को निखारने के साथ उनकी तारीफ करना भी नहीं भूलते। दीपोत्सव को चार चांद लगाने के लिए यह झांकियां सुबह 9 बजे साकेत महाविद्यालय से निकलकर राम कथा पार्क तक जाएंगी, जो कि करीब 2 बजे समाप्त होगी।

महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन का समय निर्धारित करना भाजपा की चाल है: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन के लिए केवल 48 घंटे का समय निर्धारित किया जाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चाल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार बनाने का दावा करने में असमर्थ हो जाए। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होना हैं और 23 नवंबर को मतगणना होगी।

राज्यसभा सदस्य ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, ''अमित शाह के साथ-साथ भाजपा ने यह स्वीकार कर लिया है कि पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। ऐसा लगता है कि महा विकास आघाडी को सरकार बनाने के बारे में चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए समय समिति करने की रणनीति है। अगर एमवीए के घटक दावा करने में विफल रहते हैं, तो राज्यपाल छह माह के लिये राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा एमवीए को सत्ता में वापस आने से रोकने के लिए यह कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, भारत निर्वाचन आयोजन ने चुनाव कार्यक्रम इस तरह तय किए हैं कि यह एमवीए के प्रभावी रूप से सरकार बनाने के अवसर को सीमित कर देता है।'' शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी कहा कि मतगणना 23 नवंबर को होगी, जिसका मतलब है कि एमवीए के घटक दलों - शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और अन्य छोटे दलों के पास सरकार बनाने के लिए केवल 48 घंटे होंगे। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है।

राउत ने आरोप लगाया, ''निर्वाचन आयोग का यह कदम भाजपा प्रवक्ता के समान है। आयोग ईवीएम का समर्थन करता है, लेकिन जब हम हरियाणा चुनावों में इन मशीनों के साथ कथित छेड़छाड़ के बारे में कहते हैं तो यह चुप्पी साध लेता है। आयोग ने लोकसभा चुनावों के दौरान धन के दुरुपयोग की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं थी।'' राउत ने दावा किया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के चुनावों की घोषणा से ठीक पहले लगभग 200 विधानसभा क्षेत्रों में 15 करोड़ रुपये वितरित करने का फैसला किया और यह सरकार का धन था।

लोरेंस बिश्नोई एक आतंकवादी है और उसका एन्टाउंटर किया जाना चाहिए : राज शेखावत

वडोदरा। करणी सेना के राष्ट्रीय प्रमुख राज शेखावत ने गैंगस्टर लोरेंस बिश्नोई को लेकर बड़ा बयान दिया है। राज शेखावत ने लोरेंस बिश्नोई को आतंकवादी बताते हुए उसका एन्काउंटर करने की मांग की। वडोदरा में आयोजित पत्रकार परिषद में राज शेखावत ने कहा कि जो डर पैदा हुआ है, उसका जिम्मेदार लोरेंस बिश्नोई हो या उसकी गैंग के आदमी, ऐसे लोगों को माफ नहीं किया जा सकता। एक गैंग का मुखिया जेल में बैठकर विदेशों से देश के व्यापारियों को फिरौती के परेशान करता है। राज शेखावत ने जनता से सवाल किया कि देश के बड़े राजनीतिक और सामाजिक नेताओं की हत्या करता, ऐसे गैंगस्टर का एन्काउंटर कर देना चाहिए या नहीं? उन्होंने

कहा कि जब मैं सेना में था तब कश्मीर में 8 साल सेवा की है। उस वक्त हम आतंकियों का एन्काउंटर कर देते थे। जिसकी वजह कश्मीर आज सुरक्षित हुआ है। अब केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसे तत्वों को उग्रवादी की श्रेणी में शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया। लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया। लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दी।

बीआरएस नेता अपने फार्महाउस खोने के डर से हाइड्रा का विरोध कर रहे हैं: रेवंत रेड्डी

मुंबई (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता राज्य सरकार की नवगठित हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके फार्महाउस ध्वस्त कर दिए जाएंगे।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह एजेंसी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जिन्होंने जल निकायों और सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करके संरचनाएं बना ली हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सरकारी अनुमति से अपने मकान बनाए हैं, उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग राज्य की प्रगति और रियल एस्टेट क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं।मुख्यमंत्री ने जानना चाहा कि क्या बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव और पार्टी विधायक टी. हरीश राव अपने फार्महाउस की वैधता के सत्यापन की अनुमति देंगे। उन्होंने इस उद्देश्य के लिए एक तथ्य-अन्वेषण समिति गठित करने का भी सुझाव दिया।उन्होंने कहा, ''उन्हें (बीआरएस नेताओं को) डर है कि उनके फार्महाउस को ध्वस्त कर दिया जाएगा। इसीलिए वे एजेंसी का विरोध कर रहे हैं। अगर आपने जल निकायों पर अवैध कब्जा नहीं किया है और सरकारी आदेश का उल्लंघन नहीं किया है तो आपको डरने की क्या जरूरत है।

यूपी उपचुनाव में बीजेपी को हराने सपा प्रत्याशियों का करेगी समर्थन कांग्रेस

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इस उपचुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) को अपना समर्थन देने का फैसला लिया है। कांग्रेस ने पहले पांच सीटों की मांग की थी, लेकिन जब सपा से बात नहीं बनी तो कांग्रेस ने गाजियाबाद और खैर सीटों पर अपनी उम्मीदवारी पर विचार किया। हालांकि यहां भी स्थिति बदलने के बाद कांग्रेस ने अब उपचुनाव में सपा प्रत्याशियों का समर्थन करने का फैसला लिया है।

बता दें इंडिया गठबंधन के तहत सपा ने कांग्रेस के लिए गाजियाबाद और खैर सीट छोड़ दी थी, लेकिन दोनों ही सीटों पर बीजेपी का दबदबा है। गाजियाबाद में 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 61.37 फीसदी वोट मिले थे, जबकि सपा को सिर्फ 18.25 फीसदी और कांग्रेस को महज 4.81 फीसदी वोट मिले थे।

इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उपचुनाव में हारने से बेहतर है कि वे सपा को समर्थन दें, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बना रहे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है और अब उसकी नजरें 2027 के विधानसभा चुनाव पर हैं। कांग्रेस नहीं चाहती कि उपचुनाव में हार से कार्यकर्ताओं का उत्साह कम हो और पार्टी के अंदर निराशा फैले।

कांग्रेस के इस फैसले के पीछे एक और कारण है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भी कुर्बानी दी थी, जब उसने अपनी सीटें नहीं मांगी और गठबंधन के तहत बीजेपी को हराने के लिए अपना समर्थन दिया था। अब कांग्रेस भी उसी रास्ते पर है और सपा के प्रत्याशियों का समर्थन करके गठबंधन के सिद्धांतों को मजबूत कर रही है। यह फैसला कांग्रेस द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से लिया गया है ताकि गठबंधन के सहयोग से अपनी राजनीतिक स्थिति को बेहतर किया जा सके और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का मनोबल बना रहे।

अधिक बच्चे वाले परिवारों को इन्सेंटिव देगी आंध्र प्रदेश सरकार

हैदराबाद(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के निवासियों को अधिक बच्चे पैदा करने की सलाह दी है। नायडू ने प्रदेश में उम्रदराज लोगों की बढ़ती आबादी को देखते हुए यह सलाह दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट की योजना बना रही है। इसके तहत विधेयक लाने के बारे में भी सोचा जा रहा है, जिसमें अधिक बच्चे वाले परिवारों को इन्सेंटिव दिया जाएगा। सिर्फ इतना ही नहीं, एक ऐसा कानून बनाने पर भी विचार चल रहा है, जिसके तहत सिर्फ वही लोग स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे, जिनके दो से अधिक बच्चे हैं।

मुख्यमंत्री ने दक्षिणी राज्यों में गिरती प्रजनन दर पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यहां फर्टिलिटी रेट 1.6 परसेंट है जो राष्ट्रीय दर 2.1 से काफी कम है। अगर यही हाल रहा तो हमारे यहां 2047 तक बुजुर्गों की आबादी काफी ज्यादा हो जाएगी। उन्होंने कहाकि आंध्र प्रदेश ही नहीं, देश के कई गांवों में अब सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। नायडू ने जनसंख्या नियंत्रण पर अपने पहले के प्रयासों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहाकि तब हालात कुछ और थे। तेजी से बढ़ती आबादी के चलते प्राकृतिक संसाधन खतरे में थे। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने कहाकि पहले हमने ऐसा कानून बनाया था जिसमें अधिक बच्चे वाले लोग चुनाव नहीं लड़ सकते थे। लेकिन अब हमने उस कानून को खत्म कर दिया है और इसे रिवर्स करने की सोच रहे हैं। अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकार अधिक सुविधाएं देने के बारे में विचार कर रही है। नायडू ने कहाकि वैसे तो हमारे पास 2047 तक डेमोग्राफिक एडवांटेज है। लेकिन दक्षिणी राज्यों खासकर आंध्र प्रदेश में बढ़ती उम्र वालों की आबादी चिंता में डालने वाली बात है। उन्होंने कहाकि जापान, चीन समेत कुछ यूरोपीय देश भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। दक्षिण भारत में यह समस्या इसलिए हो रही है क्योंकि युवा लोग देश के दूसरे हिस्सों में या फिर विदेश चले जा रहे हैं।

जनता की अदालत का मतलब यह नहीं कि संसद में विपक्ष बन जाए: सीजेआई

पणजी(एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका 'जनता की अदालत' के रूप में बनाए रखना चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय को संसद में विपक्ष की भूमिका निभानी पड़े। दक्षिण गोवा में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में बोलते हुए उन्हें ये बातें कही हैं। न्यायामूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब समाज बढ़ता है समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा बनती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ही ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। हमारा न्यायालय जनता की अदालत है और मुझे लगता है कि लोगों की अदालत के रूप में शीर्ष न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अब, जनता की अदालत होने का मतलब यह नहीं है कि हम संसद में विपक्ष की भूमिका निभाएं।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, उन लोगों के बीच एक बड़ा विभाजन है जो सोचते हैं कि जब आप उनके पक्ष में निर्णय देते हैं तो उच्चतम न्यायालय एक अद्भुत संस्था है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय देते हैं तो यह एक ऐसी संस्था है जो बदनाम है।' न्यायमूर्ति ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है क्योंकि आप परिणामों के परिप्रेक्ष्य से शीर्ष न्यायालय की भूमिका या उसके काम को नहीं देख सकते हैं। व्यक्तिगत मामलों का नतीजा आपके पक्ष में या आपके खिलाफ हो सकता है। न्यायाधीशों को मामला-दर-मामला आधार पर स्वतंत्रता की भावना के साथ निर्णय लेने का अधिकार है।÷ उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को कानूनी सिद्धांत की असंगतता या त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करने का अधिकार है।प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि न्यायाधीशों को इससे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन समस्या तब होती है जब वही लोग देखते हैं कि अदालत एक विशेष दिशा में जा रही है और वे सभी इसकी आलोचना करने को तत्पर हो जाते हैं क्योंकि परिणाम आपके खिलाफ गया है।''

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशन पर किया हमला

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले में उग्रवादियों ने एक बार फिर हिंसक हमला किया है। बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन पर उग्रवादियों ने गोलियां चलाईं और बम फेंके। यह घटना असम सीमा के पास स्थित एक स्कूल को जलाए जाने के एक दिन बाद शनिवार सुबह हुई। उग्रवादियों ने अल सुबह पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग की और हथियार लूट ले गए, जिसका सुरक्षाबलों ने तुरंत जवाब भी दिया। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने आधुनिक हथियारों से हमला किया और बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले एक गांव को निशाना बनाया। इस दौरान सीआरपीएफ और पुलिसकर्मियों ने भी भारी गोलीबारी की। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं और बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। इस घटना को लेकर मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने कहा कि पुलिस सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों को बरामद करने के प्रयास कर रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 अक्टूबर को गुजरात दौरे पर आएंगे

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह दिवाली से पहले गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। 22 अक्टूबर की सुबह अमित शाह गुजरात आएंगे और आणंद के मेहमान बनेंगे। इसके अलावा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 31 अक्टूबर को साळंगपुर हनुमानजी मंदिर में होने वाले मारुति यज्ञ में भाग लेंगे। जानकारी के मुताबिक अमित शाह 22 अक्टूबर को वह आणंद के मेहमान होंगे और एनडीडीबी के डायमंड जुबली समारोह के साथ-साथ अमूल के संस्थापक त्रिभुवनदास पटेल की जयंती में भी शामिल होंगे। आपको बता दें कि 22 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का जन्मदिन भी है। अपने जन्मदिन पर गृह मंत्री एनडीडीबी के अतिथि होंगे। एनडीडीबी के डायमंड जुबली समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी, मंत्री जगदीश विश्वकर्मा समेत अन्य मंत्री, नेता और नेता भी मौजूद रहेंगे।

एक तीर से दो शिकार करना चाहता था भारत: कनाडाई उच्चायुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडाई उच्चायुक्त ने भारत के खिलाफ जहर उगला है। कनाडा के उच्चायुक्त कैमरॉन मैके ने कहा कि भारत एक तीर से दो शिकार करना चाहता था लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया। भारत एक साथ कनाडा, उत्तर अमेरिका और यूएसए में निशाना साध रहा था। वहीं निज्जर की हत्या और खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश एक ही प्लॉट का हिस्सा हैं। बता दें कि कैमरॉन अब भी भारत में उच्चायुक्त के पद पर हैं।

मैके ने कनाडा के सरकारी एजेंसी को शनिवार को बताया, जिस तरह के अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाए हैं उससे पता चलता है कि नई दिल्ली से ही एक ही प्लॉट के तहत निज्जर और पन्नू की हत्या की साजिश की गई थी। ऐसे में कनाडा और अमेरिका के सबूतों को एक साथ रखा जा सकता है। इससे पता चल जाएगा कि बीते एक साल से क्या चल रहा है। मैके ने कहा कि भारत ने बड़ी रणनीतिक भूल कर दी है। वह सोचता है कि कुछ एजेंट उत्तर अमेरिका में हिंसा करेंगे और फिर बच जाएंगे। मैं कनाडा और अमेरिका दोनों की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि रेड लाइन भारत ने क्रॉस कर दी है।बता दें कि अमेरिका ने आरोप लगाया था कि रॉ के लिए काम करने वाले विकास यादव ने पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। एफबीआई ने उन्हें मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में रखा है। वहीं इंडियन एक्स्प्रेस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि विकास यादव पहले ही रॉ से अलग हो चुके हैं। वहीं किडनैपिंग और उगाही के आरोप में उन्हें दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था।

पहली बार ऐसा हुआ है कि कनाडा के किसी राजनयिक ने इस तरह के आरोप भारत पर लगाए हैं। बता दें कि बीते साल जून में कनाडा में ही खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। वहीं अमेरिका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप अमेरिका ने भारत पर लगाया है। भारत ने इन सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिए हैं।बता दें कि मैके के उप उच्चायुक्त स्टेवार्ट व्हीलर का भी नाम उन राजनयिकों में शामिल है जिन्हें भारत से निष्कासित किया गया है। वहीं नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया है। कनाडा की सरकार ने उन्हें निष्कासित करने की बात कही थी। भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा भी कनाडा छोड़ चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

रामपुर की कॉन्स्टेबल पत्नी पर बेवफाई का शक था सिपाही पति ने गला काटा

ननदोई ने हाथ-पैर पकड़े,कहता- ७वीं फेल के इश्क में है

रामपुर में स्पेशल ब्रांच की रीजनल इंटेलिजेंस यूनिट के एक सिपाही ने अपनी कॉन्स्टेबल बीवी की हत्या कर दी। उसने चाकू से रेत कर पहले अपनी बीवी की गर्दन धड़ से अलग की फिर पॉलीथिन में पैक किया। करीब ३० किमी दूर मुरादाबाद में रामगंगा किनारे फेंक दिया। कॉन्स्टेबल को शक था कि पत्नी उसके साथ बेवफाई कर रही है। कॉन्स्टेबल अक्सर अपनी सास से कहता था- आपकी बेटी का अपने गांव के ७वीं फेल मजदूर से अफेयर चल रहा है। वो मेरे समझाने पर भी नहीं मान रही। इसे समझाइए, वरना अंजाम अच्छा नहीं होगा।

रामपुर पुलिस ने महिला थाने में तैनात महिला सिपाही रिंकी

रिंकी सिंह, कॉन्स्टेबल

सिंह (३५) की हत्या के आरोप में उसके कॉन्स्टेबल पति सोनू सिंह और ननदोई ब्रजपाल उर्फ बंटी को अरेस्ट कर लिया है। आज दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मृतक महिला कॉन्स्टेबल के पिता ने से कहा- इस घटना में जितना कसूर मेरे दामाद का है, उससे कहीं अधिक कसूरवार मेरी बेटी का प्रेमी ओमपाल है। उसे भी जेल भेजना चाहिए।

१७ अक्टूबर को मुरादाबाद में मिली थी सिर कटी लाश

मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में पुलिस को कल्याणपुर के जंगल में १७ अक्टूबर की दोपहर एक महिला की सिर कटी लाश झाड़ियों में पड़ी मिली थी। ऐसा लगता था, जैसे इसे पानी में फेंका गया था। फूलने के बाद डेडबॉडी किनारे झाड़ियों में आकर फंस गई थी।

पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया तो धड़ से करीब ५० मीटर दूर एक पॉलीथिन में लिपटा हुआ महिला का सिर मिला। इसके १०० मीटर दूरी पर एक ७ साल के बच्चे की लाश भी मिली थी। पहले इन्हें मां-बेटे की लाश माना जा रहा था। लेकिन, शनिवार को महिला के शव की पहचान रामपुर के महिला थाने की कॉन्स्टेबल रिंकी सिंह की थी।

हम पड़ोसी थे, हमारी शादी भी रजामंदी से हुई थी

सोनू सिंह ने पुलिस पूछताछ में कहा- बिजनौर में मेरा गांव रायपुर और रिंकी का गांव दरबड़ आसपास है। हमारे गांवों की दूरी बमुश्किल ७ किमी होगी। २०११ में हम दोनों पुलिस कॉन्स्टेबल बने थे। हम दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। हमारी आपसी रजामंदी और हमारे परिवारों की सहमति से ही २०१३ में हमारी शादी हुई थी। हमारे २ बच्चे हैं। हमारा हंसता-खेलता परिवार था। हम दोनों ने संभल जिले के चंदौसी में लंबे समय तक नौकरी की। हमने वहां अपना मकान भी बना लिया था। करीब २ साल पहले मेरा ट्रांसफर रामपुर हो गया। एक साल बाद रिंकी भी यहीं महिला थाने में आ गई। चंदौसी का मकान बेचकर हम यहां रामपुर में ही शिफ्ट हो गए।

७वीं फेल ओमपाल हमारी लव स्टोरी में विलेन बनकर हावी हुआ

कॉन्स्टेबल सोनू ने पुलिस से कहा- अचानक रिंकी के गांव का ओमपाल हमारी लाइफ में विलेन बनकर दाखिल हो गया। वह ७वीं फेल है, शराबी और आवारा है। पता नहीं रिंकी को उसमें ऐसा क्या नजर आया कि वो उससे लंबी-लंबी बातें करने लगी। फिर वो एक तरह से उसके पूरी तरह से चंगुल में फंस गई थी। पति और बच्चों से ज्यादा वह ओमपाल को तरजीह देने लगी थी। ये बात मुझे शुरू से नागवार गुजरती थी। शुरू में तो मैंने इसे ये सोचकर नजरंदाज किया कि वो उसके मायके का है, लेकिन कुछ ही वक्त में मुझे महसूस हो गया कि रिंकी और ओमपाल के बीच का रिश्ता मायकेदारी और दोस्ती से कहीं आगे जा चुका है।

सुहागिनों ने चांद का दीदार कर व्रत खोले

पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना की, बड़ों का पैर छूकर लिया आशिर्वाद

करवा चौथ का पर्व बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। महिलाओं ने मंदिर पहुंच कर विधिवत पूजा-अर्चना की और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। इस खास मौके पर बाज़ारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। कपड़े, ज्वेलरी, संवरने का सामान, पूजा सामग्री, और उपहारों की जमकर खरीदारी बिक्री हुई।कॉलोनियों और मंदिरों में भी सामूहिक रूप से पर्व मनाया रविवार सुबह से सुहागिनें सज धज कर करवाचौथ व्रत की तैयारी के लिए जुटी रहीं। मेहंदी लगाने वालों की दुकानों पर काफी भीड़ रही। सुंदर परिधानों में सजी महिलाओं में व्रत को लेकर काफी उत्साह रहा। महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर पति की लंबी उम्र की कामना की। घरों के अलावा कॉलोनियों और मंदिरों में भी

सामूहिक रूप से पर्व मनाया गया।

करवा चौथ का पर्व महिलाओं द्वारा सोलह श्रृंगार कर श्रद्धा भाव से मनाया गया। महिलाएं सुबह से लेकर रात्रि तक निर्जला व्रत रहीं और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा। फिर छलनी में चांद देखने के बाद पति का चेहरा देखा। इसके बाद पति के हाथ से जल पीकर करवा चौथा का व्रत पूरा किया। पतियों ने भी अपनी पत्नियों को आशीर्वाद दिया।

महाभारत में भी एक कहानी है जो करवा चौथ से जुड़ी हुई है। जब अर्जुन युद्ध करने नीलगिरी पर्वत पर गए थे, तो द्रौपदी बहुत चिंतित थीं। उन्होंने भगवान कृष्ण से अपने पति की सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन मांगा। श्रीकृष्ण ने उन्हें करवा चौथ का व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने की सलाह दी। द्रौपदी ने व्रत रखा, जिससे अर्जुन सुरक्षित रहे। कथाओं में इस कहानी को भी करवा चौथ से जोड़ कर देखा जाता है। मालती चौहान, नेहा चौहान, रिनी चौहान दीपा आदि का कहना है कि करवा चौथ न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह एक गहन आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश भी देता है।

पति-पत्नी के जीवन में चंद्रमा जैसी शीतलता रहे

इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं और अपने पति के साथ चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं। इसका प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि पति-पत्नी के जीवन में चंद्रमा जैसी शीतलता और शांति होनी चाहिए। दांपत्य जीवन में संतुलन और शांति तभी प्राप्त हो सकती है जब दोनों एक-दूसरे के प्रति समान आदर और सम्मान का भाव रखें।

बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर लखनऊ हाईकोर्ट की रोक

जवाब देने के लिए १५ दिन का समय दिया,सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा मामला

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बहराइच के महराजगंज में बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने पीड़ितों को PWD के नोटिस का जवाब देने के लिए १५ दिन का समय दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने PWD से जवाब मांगा कि जिस रोड के किनारे बसे घरों और दुकानों पर नोटिस चस्पा किया गया है वो रोड शहरी है, ग्रामीण है या हाईवे की है।

पीडब्ल्यूडी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई है। इसमें बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की है। बहराइच हिंसा से जुड़े ३ आरोपियों और रिश्तेदारों ने याचिका दाखिल की है। इसमें मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद की बेटी भी है।

महराजगंज में लोगों ने खुद अपने घरों को तोड़ना शुरू कर दिया। लोगों को डर है कि अगर बुलडोजर चला तो फिर मकान में लगा ईंट-सरिया भी मलबे में चला जाएगा।

कई लोगों ने दुकानें और घर का सामान खाली कर दिया। शुक्रवार यानी १८ अक्टूबर की रात को PWD ने २३ घरों पर अतिक्रमण का नोटिस चस्पा किया था। इसमें ३ दिन का वक्त दिया था कि अतिक्रमण को हटा लीजिए। अन्यथा, इसे तोड़ा जाएगा।

अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने बुलडोजर एक्शन पर योगी सरकार को घेरा। कहा-कानून में मौत की सजा है। लेकिन बुलडोजर नहीं। योगी बाबा प्रदेश में अलग कानून चलाना चाहते हैं।

हिंसा में मारे गए राम गोपाल के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पिता कैलाश ने गुरुवार को न्याय न मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी थी।

जिन घरों में नोटिस चस्पा किया, उसमें २० मुस्लिम और ३ हिंदुओं के घर हैं। एक घर अब्दुल हमीद का है, जो राम गोपाल मिश्रा की हत्या में आरोपी है।

२३ आरोपियों को प्रशासन ने थमाया अतिक्रमण का नोटिस

बहराइच के महराजगंज में १३ अक्टूबर को हुई हिंसा मामले में आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर चल सकता है। शुक्रवार को PWD ने मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद समेत २३ अन्य के मकानों पर नोटिस चस्पा कर दिया है। तीन दिन के भीतर नोटिस का जवाब न मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जिन आरोपियों को नोटिस दिया गया है, उनमें २० मुस्लिम और तीन हिंदू आरोपी शामिल हैं। नोटिस जारी कर सभी से पूर्व में DM के आदेश की कॉपी मांगी गई है। जिसमें अनुमति पत्र न मिलने पर सभी के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। स्छरू महसी अखिलेश सिंह ने बताया कि सभी को भेजे गए नोटिस का जवाब न मिलने पर बुलडोजर की कार्रवाई हो सकती है।

सागर हाइवे पर मिला महिला का शव शरीर पर पहने थी सिर्फ एक टी-शर्ट, पुलिस करा रही शिनाख्त

कानपुर के घाटमपुर में हाइवे किनारे अर्द्धनग्न महिला का शव पड़ा मिला है। महिला के चेहरे और शरीर में चोट के निशान मिले हैं। अशंका जताई जा रही कि डंपर महिला को टक्कर मारते हुए भाग निकला है। सड़क हादसे में महिला की मौत होने की अशंका जताई जा रही है। पुलिस ने आसपास ग्राम प्रधानों को महिला की फोटो भेजने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के कानपुर-सागर हाइवे पर स्थित जहांगीराबाद और जगन्नाथपुर गांव के बीच रविवार रात अर्धनग्न हालत में महिला का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला है। महिला के चेहरे और शरीर में चोट के निशान मिले हैं। यहां से निकल रहे

राहगीरों ने महिला का शव पड़ा देखा तो फोनकर घटना की सूचना पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने महिला के शव को हाइवे से किनारे की ओर किया। इसके बाद पुलिस ने महिला की फोटो आसपास ग्राम प्रधानों को भेजकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया है। महिला के शरीर में पुलिस को सिर्फ एक ऑरेंज रंग की टी शर्ट मिली है।

पुलिस के मुताबिक महिला की मौत सड़क हादसे में हुई है। महिला रोड पार कर रही होगी, इस दौरान कानपुर की ओर से आया तेज रफ्तार डंपर महिला को टक्कर मारते हुए भाग निकला है। पुलिस ने घटना की जांच करने के साथ महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया की महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की जांच की जा रही है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से यह महिला घाटमपुर ओवरब्रिज के नीचे दिखाई दे रही थी। हालांकि महिला अपने शरीर में पूरे कपड़े पहने रहती थी। ग्रामीण महिला के साथ अनहोनी होने की अशंका जता रहे हैं। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दोस्ती कर युवती का बनाया अश्लील वीडियो

युवती के विरोध करने पर चाकू से किया हमला, तेजाब फेंकने की भी दी धमकी

गोरखपुर के शाहपुर इलाके में एक युवक ने पहले युवती से दोस्ती की, फिर भरोसे का फायदा उठाकर उसकी आपत्तिजनक वीडियो और फोटो बना ली। जब युवती ने उससे दूरी बनानी शुरू की और अपने उधार दिए पैसे वापस मांगे, तो युवक ने बेरहमी से चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद युवक ने तेजाब फेंकने की धमकी दी और फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश तेज कर दी है।

तीन साल की दोस्ती से विश्वासघात तक का सफर

कुशीनगर की रहने वाली पीड़िता अपनी मां और बहन के साथ गोरखपुर के शाहपुर इलाके में किराए के मकान में रहती है। पीड़िता की मां और बहन सरकारी शिक्षिकाएं हैं, जबकि उसका भाई रेलवे में नौकरी करता है और घर से दूर तैनात है।

तीन साल पहले मोहल्ले के युवक से उसकी दोस्ती हुई थी। युवक ने अपनी पारिवारिक समस्याओं का हवाला देकर उससे उधार लिया और इस दौरान उसका विश्वास जीतकर उसकी निजी वीडियो और फोटो बना लिए।

रुपये वापस मांगने पर मिली जान से मारने की धमकी

जब युवती ने अपने उधार दिए पैसे वापस मांगे और आरोपी से दूरी बनानी शुरू की, तो युवक ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इससे घबराकर पीड़िता ने उससे पूरी तरह बात करना बंद कर दिया। १८ अक्टूबर की दोपहर को आरोपी युवक हथियार लेकर पीड़िता के घर में घुस आया और बात न करने व पैसे वापस मांगने पर चाकू और ईंट से हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई।

तेजाब फेंकने की धमकी देकर फरार, पुलिस ने शुरू की कार्रवाई हमले के बाद आरोपी ने जाते-जाते पीड़िता पर तेजाब फेंकने की धमकी दी और उसकी मां-बहन को भी जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला ने होटल में किया सुसाइड

कानपुर के झकरकटी बस अड्डे के पास रविवार को एक होटल में लालगंज की महिला ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। महिला ने लव मैरिज की थी, लेकिन पति से विवाद के चलते तलाक हो गया था। दोनों बच्चों को लेकर पति अलग हो गया था। इधर मायके वालों ने भी साथ रखने से इनकार कर दिया तो महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। रायपुरवा पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

लव मैरिज के बाद पति से तलाक और बच्चों ने छोड़ा, परिवार ने अपनाने से इनकार किया